RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:64 ता. 03 सितम्बर 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत नौसेना को सौंपा

प्रधानमंत्री मोदी आज नए विमानवाहक पोत का जलावतरण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर औपनिवेशिक अतीत को खत्म करते हुए नए नौसेना ध्वज (निशान) का भी अनावरण किया। मोदी ने दो सितंबर की तारीख को ''रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भर बनने की दिशा में भारत के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन'' बताया है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना के नए निशान का अनावरण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन समेत अन्य सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारत के समुद्री इतिहास में अब तक के सबसे बड़े जहाज तथा स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' का आज यानी शुक्रवार को यहां जलावतरण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोचीन शिपयार्ड में 20,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित और अत्याधुनिक स्वचालित यंत्रों से लैस युद्धपोत का जलावतरण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर औपनिवेशिक अतीत को खत्म करते हुए नए नौसेना ध्वज (निशान) का

भारत के समुद्री इतिहास में अब तक के सबसे बड़े जहाज तथा स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' का आज यानी शुक्रवार को यहां जलावतरण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोचीन शिपयार्ड में 20,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित और अत्याधुनिक स्वचालित यंत्रों से लैस युद्धपोत का जलावतरण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर औपनिवेशिक अतीत को खत्म करते हुए नए नौसेना ध्वज (निशान) का भी अनावरण किया।

भी अनावरण किया।

मोदी ने दो सितंबर की तारीख को ''रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भर बनने की दिशा में भारत के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन'' बताया है क्योंकि देश में डिजाइन और निर्मित किए गए पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को सेवा में शामिल किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, एर्नाकुलम के सांसद हिबी ईडन, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरी कुमार और नौसेना और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के शीर्ष अधिकारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

माओवादी सेंट्रल कमेटी के सदस्य विजय आर्य के कई ठिकानों पर NIA का छापा

पटना। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एक साथ पटना, गया और औरंगाबाद में छापेमारी कर रही है. जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी माओवादी सेंट्रल कमेटी के सदस्य विजय आर्य के ठिकानों पर की जा रही है. विजय आर्य की जिला पार्षद बेटी और इंजीनियर बेटे के आवास पर भी छापेमारी की जा रही है. बताया जा रहा है कि NIA शुक्रवार सुबह विजय आर्य के ठिकानों पर पहुंची और छापेमारी शुरू कर दी. हालांकि अभी कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से बचते दिख रहे है. बता दें कि माओवादी सेंट्रल कमेटी के सदस्य विजय आर्य पटना के बेउर जेल में बंद हैं. पढ़ें - खूंटी ~ एक ही परिवार की तीन लोगों की हत्या, धारदार हथियार से घटना को दिया अंजाम

नक्सली गतिविधियों से जुड़े मामलों को लेकर हो रही छापेमारी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक एनआईए की यह कार्रवाई नक्सली गतिविधियों से जुड़े मामलों को लेकर की जा रही है. बताया जा रहा है कि विजय आर्य के गया जिले के करमा के पैतृक आवास और पटना के एजी कॉलोनी में छापेमारी की जा रही है. पटना के एजी कॉलोनी में शुक्रवार सुबह तकरीबन 5:30 बजे से एनआईए की टीम पहुंची और छापेमारी शुरू कर दी. वहीं गया स्थित पैतृक आवास पर सुबह तकरीबन 4 बजे रेड डाली गई.

शोभा कुमारी के ठिकानों पर हो रही छापेमारी

जानकारी के मुताबिक औरंगाबाद में भी छापेमारी की जा रही है. छापेमारी औरंगाबाद के उपहारा थाना क्षेत्र में जिला पार्षद शोभा कुमारी के ठिकाने पर हो रही है. शोभा कुमारी माओवादी सेंट्रल कमेटी के सदस्य विजय आर्य की बेटी हैं. एनआईए शुक्रवार अहले सुबह नक्सली गतिविधियों को लेकर बिहार के 3 शहरों में एकसाथ छापेमारी की है.

मुरुग मठ के महंत शिवमूर्ति को किया गया गिरफ्तार

2 नाबालिग बच्चियों से रेप का आरोप

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। उच्च माध्यमिक विद्यालय (हाईस्कूल) की छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपों से घिरे मुरुग मठ के महंत शिवमूर्ति मुरुग शरनारू को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के बाद उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया और इस संबंध में उचित प्रक्रिया अपनायी जा रही है। मैसुरु पुलिस ने कथित यौन उत्पीड़न को लेकर शनिवार को बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) कानून तथा भादंसं के तहत महंत के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी।

जिला बाल संरक्षण इकाई के एक अधिकारी की शिकायत पर मठ के छात्रावास के वार्डन समेत कुल पांच लोगों के विरुद्ध यह प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। पुलिस ने आज दिन में वार्डन से पूछताछ की। दो लड़कियों (पीड़िताओं) ने मैसुरु में गैर-सरकारी सामाजिक संगठन 'ओडनाडी सेवा समस्थे' से

संपर्क कर उसे आपबीती बतायी थी। उसके बाद संगठन ने पुलिस प्रशासन से संपर्क किया। तब पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले को चित्रदुर्ग स्थानांतरित किया गया, क्योंकि यह कथित अपराध वहां हुआ है। महंत पर बाद में अनुसूचित जाति/जनजाति (उत्पीड़न रोकथाम) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया।महंत की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे थे।

गुजरात में भीषण सड़क हादसा, कार की जोरदार टक्कर में 6 श्रद्धालुओं की मौत

गुजरात के बनासकांठा स्थित अंबाजी में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। सभी लोग शक्तिपीठ अंबाजी माता मंदिर के दर्शन के लिए पैदल जा रहे थे तभी एक कार ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया। अस दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है और 6 की हालत गंभीर बताई जा रही हैं।

नई दिल्ली। गुजरात के बनासकांठा स्थित अंबाजी में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। कार की जोरदार टक्कर होने से 6 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं 6 लोग गंभीर रूप से घायल है। मारे गए लोगों में ज्यादातर पंचमहल के रहने वाले हैं। बता दें कि सभी लोग शक्तिपीठ अंबाजी माता मंदिर के दर्शन के लिए पैदल जा रहे थे तभी एक कार ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया। अस दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है और 6 की हालत गंभीर बताई जा रही हैं।

आगामी 5 सितंबर से विश्व प्रसिद्ध धर्मस्थल अंबाजी में छह दिवसीय भादरवी पूनम मेले का आयोजन होने जा रहा है जो कि 10 सितंबर तक चलेगा। यहां भक्त भारी संख्या में पहुंचते है और मेले का मजा लेते है। जानकारी के लिए बता दें कि अम्बाजी मंदिर में देवी की कोई भी मूर्ति नहीं है बल्कि यहां पवित्र श्री वीसा यंत्र को मुख्य देवता के रूप में पूजा जाता है। इस यंत्र को कई भी नग्न आंखों से नहीं देख सकता है।

कश्मीर में आतंकियों ने अब बंगाल के मजदूर को मारी गोली, तलाश में जुटे सुरक्षा बल

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों का दुस्साहस अब भी जारी है।

शुक्रवार सुबह ही आतंकवादियों ने बंगाल के एक मजदूर को गोली मार दी। पुलवामा में आतंकवादियों ने मुनीरुल इस्लाम नाम के मजदूर को गोली मारी है, जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। इस बीच सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और आतंकवादियों की तलाश की जा रही है।

दुष्कर्मियों-आतंकियों को अब आखिरी सांस तक रहना होगा जेल में

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता मेंमंत्रालय में विभिन्न अधिनियमों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों की रिहाई की अवधि की प्रस्तावित नीति -2022 पर चर्चा हुई। वर्तमान में प्रदेश में वर्ष 2012 की नीति लागू है। वर्तमान में प्रदेश के 131 जेलों में 12 हजार से अधिक बंदी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

आजीवन कारावास की सजा प्राप्त बंदियों के संबंध में जो नई नीति तैयार की गई है, उसमें जघन्य अपराधियों को कोई राहत नहीं मिलेगी। आतंकी गतिविधियों और नाबालिगों से बलात्कार के अपराधियों का कारावास 14 वर्ष में समाप्त नहीं होगा। मध्यप्रदेश में ऐसे अपराधियों को अंतिम साँस तक कारावास में ही रहने की नीति बनाई गई है। ऐसे अपराधियों में विभिन्न अधिनियम में आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त पाए गए दोषी, नाबालिग से बलात्कार के दोषी, गैंगरेप के दोषियों, जहरीली शराब बनाने, विदेशी मुद्रा से जुड़े अपराधों, दो या दो से अधिक प्रकरण में हत्या के दोषी को अब अंतिम साँस तक जेल में रहना होगा। शासकीय सेवकों की सेवा के दौरान हत्या का अपराध

करने वाले दोषी भी शामिल होंगे। इसी तरह राज्य के विरुद्ध अपराध और सेना के किसी भी अंग से संबंधित अपराध घटित करने वाले अपराधी भी किसी रियायत का लाभ नहीं ले सकेंगे। इन सभी के लिए नई नीति लागू नहीं होगी। इन अपराधों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों को अब जेल में ही अंतिम सांस तक रहना होगा।

आजीवन कारावास से दंडित धारा 376 के दोषी बंदी भी 20 वर्ष का वास्तविक कारावास और परिहार सहित 25 वर्ष पूर्ण करने से पहले जेल से रिहा नहीं हो सकेंगे। जिन आजीवन कारावास के बंदियों को 14 साल या 20 साल की वास्तविक सजा के बाद रिहाई की पात्रता बनेगी वह भी तभी रिहा होंगे जब कलेक्टर, एसपी और जिला प्रोसीक्यूशन आफिसर की अनुशंसा होगी और जेल मुख्यालय द्वारा उक्त अनुशंसा के आधार पर राज्य सरकार को भेजा जाएगा और जिसमें राज्य सरकार की स्वीकृति होगी। पूर्व में लागू वर्ष 2012 की नीति में साल में दो बार आजीवन कारावास काट रहे बंदियों के रिहाई की नीति के अनुसार तथा जिला स्तरीय समिति की अनुशंसानुसार जेल मुख्यालय द्वारा कार्यवाही की जाती थी। अब वर्ष में चार बार 15 अगस्त, 26 जनवरी, 14 अप्रैल और 2 अक्टूबर को नवीन नीति के प्रावधान तथा जिला स्तरीय समिति एवं जेल मुख्यालय की अनुशंसा पर राज्य सरकार की अनुमति से की जाएगी।

बलात्कार के दोषियों के साथ कोई रियायत नहीं-मुख्यमंत्री ने कहा कि आजीवन कारावास के ऐसे बंदी जो अच्छे व्यवहार, आचरण आदि के कारण समय पूर्व रिहाई का लाभ लेते हैं, वे अलग श्रेणी के हैं और आतंकी, बलात्कारी बिल्कुल अलग श्रेणी के अपराधी हैं। बलात्कार के मामलों में किसी भी स्थिति में बंदियों को समय पूर्व रिहाई का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

ट्विन टावर वाली जमीन पर क्या बनेगा ? सुपरटेक ने बताया, आरडब्ल्यूए की मांग- पार्क और मंदिर बने

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में ध्वस्त किए गए ट्विन टावर की जमीन के इस्तेमाल को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सुपरटेक लिमिटेड यहां एक अन्य रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट पर काम करना चाहता है। कंपनी ने बताया कि इसके लिए नोएडा अथॉरिटी से मंजूरी और एमराल्ड कोर्ट के होमबॉयर्स की सहमति मिलने का इंतजार है। सुपरटेक के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर आरके अरोड़ा ने कहा कि ट्विन टावर्स (एपेक्स और सेयेन) नोएडा प्राधिकरण की ओर से आवंटित भूमि पर निर्मित सेक्टर 93 ए में एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट का एक हिस्सा हैं।

अरोड़ा ने कहा, नोएडा अथॉरिटी की ओर से 2009 में दो टावर्स समेत प्रोजेक्ट के बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिली थी, जो कि उस समय के नियमों के आधार पर थी। बिल्डिंग प्लान के हिसाब से ही काम हुआ और अथॉरिटी को पूरा पेयमेंट करने के बाद बिल्डिंग का निर्माण किया गया। अब दोनों टावर गिरा दिए गए हैं और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश के मुताबिक हमने इसके लिए एजेंसियों को 17.5 करोड़ रुपये चुकाए हैं।

95 प्रतिशत लोगों के लौटा दिए पैसे

सुपरटेक के एमडी ने बताया कि ट्विन टावर में घर खरीदने वालों में 95 फीसदी के

पैसे लौटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, पांच फीसदी जो लोग बचे हैं, उन्हें हम प्रॉपर्टी दे रहे हैं या फिर ब्याज के साथ धन वापस कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरा पालन किया जा रहा है।%

जमीन पर पार्क, खेल का मैदान बनाने की हो रही मांग

दूसरी तरफ, ट्विन टावर को जमींदोज कराने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक लड़ने वाली सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसायटी की आरडब्ल्यूए ने नया ऐलान किया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष उदयभान सिंह तेवतिया ने कहा कि आरडब्ल्यूए और सोसायटी के निवासी खाली हुई जमीन पर किसी भी निर्माण के लिए बिल्डर को सहमति नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि ट्विन टावर की जमीन पर एक छोटा ग्रीन पार्क, बच्चों के खेलने का मैदान और एक मंदिर बनाने की योजना है। इसके लिए जल्द ही बैठक कर पूरी सोसायटी के निवासियों की सहमति ली जाएगी।

ट्विन टावर के 30 हजार टन मलबे का होगा रिसाइकिल

वहीं, ट्विन टावर के 30 हजार टन मलबे का रिसाइकिल रि-सस्टेनेबिलिटी कंपनी करेगी। इस मलबे को निर्माण सामग्री में बदला जाएगा। करीब 100 मीटर ऊंचे दो टावरों को रविवार 28 अगस्त को गिरा दिया गया था। इसे ध्वस्त करने में 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल हुआ।

कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि वह नोएडा में ढहाए गए ट्विन टावर से उत्पन्न 30 हजार टन मलबे का रिसाइकिल करेगी। रि-सस्टेनेबिलिटी को मलबे का पुनर्चक्रण करने के लिए तीन माह का ठेका मिला है। कंपनी ने बताया कि कचरे को निर्माण सामग्री में बदला जाएगा।

सार समाचार

लुफ्थांसा के पायलट हड़ताल पर, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अटके हजारों यात्री

नई दिल्ली । दुनिया की सबसे बड़ी एयरलाइंस लुफ्थांसा के पायलट हड़ताल पर चले गए हैं, इसकारण यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जर्मनी के साथ यूरोप और अमेरिका जाने वाले यात्री राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अटक गए और उन्हें वैकल्पिक उड़ानों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। इसी बीच आईजीआई एयरपोर्ट डीसीपी तनु शर्मा का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने जर्मनी की लुफ्थांसा एयरलाइंस की जानकारी दी। डीसीपी ने बताया कि दोपहर 12 बजे के आसपास हमें सूचना मिली कि टर्मिनल 3 के प्रस्थान गेट नंबर 1 पर लगभग 150 लोग जमा हो गए हैं। सूचना मिलने के बाद जब हम वहां पहुंचे, तब हमें पता चला कि लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलटों के हड़ताल पर जाने के बाद अचानक 2 उड़ानें रद्द हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इस समय में यात्री टर्मिनल के अंदर थे लेकिन उनके रिश्तेदार बाहर थे। जब उन्हें पता चला तब वे परेशान हो गए। हमने एयरलाइंस और यात्रियों के बीच संचार सुनिश्चित किया। हमने यह भी सुनिश्चित किया कि अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित न हों। हमने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलटों के हड़ताल पर जाने की वजह से दुनियाभर के यात्रियों पर इसका असर पड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, लुफ्थांसा एयरलाइंस के करीब 1.30 लाख यात्रियों पर सीधा प्रभाव पड़ा है और बहुत सारे यात्री एयरपोर्ट्स पर ही अटक गए हैं। नई दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर बीती रात को उस वक्त अफरातफरी मच गए, जब पायलट अचानक हड़ताल में चले गए। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को संभाला।

कश्मीरी पंडितों की हत्या से जुड़ी याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, केंद्र सरकार के समक्ष अभ्यावेदन पेश करने को कहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की लगातार हो रही हत्या की एसआईटी जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर आज सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने 1989-90 के बाद से कश्मीरी हिंदू नरसंहार की एसआईटी जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से केंद्र सरकार के समक्ष एक अभ्यावेदन पेश करने को कहा है। याचिका में 1990 से 2003 के बीच कश्मीरी पंडितों और सिखों की हत्या और उन पर हुए अत्याचारों की जांच के लिए एसआईटी के गठन करने की मांग की गई थी। इसके साथ ही कश्मीर घाटी में मारे गए कश्मीरी पंडितों की हत्या की जांच की भी मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर में हिंदुओं के नरसंहार की एसआईटी जांच की मांग करने वाली याचिका को एनजीओ 'वी द सिटिजन' द्वारा दायर किया है, जिसमें जनवरी 1990 में निर्वासन के बाद बेची गई सभी संपत्तियों को शून्य और शून्य घोषित करने के निर्देश मांगे गए थे। सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका में हिंदुओं और सिखों के कथित नरसंहार में शामिल अपराधियों की पहचान करने के लिए विशेष जांच दल के गठन की मांग की गई थी। याचिका एक एनजीओ वी द सिटीजन द्वारा दायर की गई थी। जिसमें जम्मू-कश्मीर में फ़नरसंहारफ़ के शिकार या बचे हुए हिंदुओं और सिखों दोनों के लिए जनगणना कराने की अपील की गई थी। याचिका में हिंदुओं और सिखों के बारे में भी बात की गई है जो तब घाटी से अपनी जान बचाकर भाग गए थे और अब भारत के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। एनजीओ ने उनके पुनर्वास की भी मांग की है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 6 दिन की यात्रा पर जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अगले सप्ताह छह दिन की अमेरिकी यात्रा पर जाएंगे। वहां वह अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं। इन बैठकों में दोनों देशों के व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा होगी। गोयल पांच सितंबर को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिल्स के छह दिन की यात्रा पर जाने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि यात्रा के दौरान गोयल आठ और नौ सितंबर को लॉस एंजिल्स में हिंद-प्रशांत आर्थिक समृद्धि की रूपरेखा (आईपीईएफ) की दो दिन की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने वाले हैं। वह आईपीईएफ की मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गिना एम रायमोंडो से भी मुलाकात करने वाले हैं। मंत्रिस्तरीय बैठक में व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और सही तरीके से परिचालन करने वाली अर्थव्यवस्था से संबंधित चार स्तंभों पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी के अनुसार, गोयल इस दौरान आईपीईएफ के सदस्यों देशों के समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठक करेगा। आईपीईएफ के 14 सदस्य देशों में....ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और अमेरिका शामिल हैं।

स्विगी इंस्टामार्ट पर बीते एक साल में मुंबईकरों ने ऑनलाइन 570 गुना से अधिक कंडोम मंगाए

नई दिल्ली । ऑनलाइन शॉपिंग का कारोबार देस में खूब फलफूल रहा है। ग्रोसरी सर्विस प्लेटफॉर्म के जरिए आसानी से जरूरत के सामान लोगों के घर पहुंच रहे हैं। सब्जी से लेकर दवाई तक बस स्मार्टफोन पर कुछ क्लिक करने भर से लोगों के दरवाजे पर पहुंच रहा है। एक सर्वे के अनुसार, स्विगी इंस्टामार्ट ने जून 2021 से जून 2022 के बीच 90 लाख से अधिक यूजर्स को सर्विस मुहैया कराई है। मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे महानगरों में लोग बड़ी संख्या में ऑनलाइन सामान की खरीद कर रहे हैं।

ग्राहक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म के जरिए मेडिकल से जुड़ी चीजें भी ऑर्डर कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार, पिछले 12 महीने में मुंबई वालों ने 570 गुना अधिक कंडोम ऑर्डर किए हैं। वहीं, 2021 में इंस्टामार्ट को करीब 20 लाख सैनिटरी नैपकिन्स, मेन्स्ट्रुअल कप और टैम्पॉन के ऑर्डर मिले हैं। इसके अलावा ग्रॉसरी की वस्तुओं के भी खूब ऑर्डर मिले हैं।

सर्वे के अनुसार, पिछले साल अप्रैल से जून के बीच इन मेट्रो शहरों में आइसक्रीम की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। यह भी पता चला कि ज्यादातर ऑर्डर रात 10 बजे के बाद दिए गए थे। मेट्रो शहरों में लोगों ने इंस्टेंट नूडल्स के 56 लाख पैकेट का ऑर्डर दिया है। हैदराबाद में गर्मियों के महीनों में यूजर्स ने फ्रेश जूस के करीब 27,000 बोतल ऑर्डर किए थे।

पिछले दो वर्षों में अंडों की मांग कई गुना बढ़ी है। बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई सहित मेट्रो शहरों में रहने वाले लोगों मे पिछले एक साल में औसतन 60 लाख अंडे ऑर्डर किए। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु और हैदराबाद के ग्राहकों ने नाश्ते के लिए सबसे अधिक अंडे के ऑर्डर किए। वहीं, मुंबई, जयपुर और कोयंबटूर के लोगों ने डिनर के समय सबसे अधिक अंडे ऑनलाइन मंगाए हैं।

चाय और कॉफी दोनों के ऑर्डर भारी उछाल देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी मांग में 2,000 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं दूध के लिए दूध के 3 करोड़ ऑर्डर आए हैं। बेंगलुरु और मुंबई के लोगों ने सुबह के समय अधिक ऑर्डर किए हैं। रेगुलर मिल्क, फुल क्रीम मिल्क और टोंड मिल्क सबसे अधिक ऑर्डर किए जाने वाले डेयरी प्रोडक्टस हैं।

पिछले एक साल में 62,000 टन फलों और सब्जियों का ऑर्डर मिला है। 12,000 ऑर्डर के साथ, बेंगलुरु ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के खरीदारों की सूची में सबसे ऊपर है। वहीं, हैदराबाद और बैंगलोर ने मिलकर 12 महीनों में 290 टन से अधिक हरी मिर्च ऑर्डर किया है। पिछले एक साल में बाथरूम क्लीनर, स्क्रब पैड, ड्रेन क्लीनर और अन्य के लिए 2 लाख से अधिक ऑर्डर मिले हैं।

सोरेन सरकार को झटका, रूपेश हत्याकांड की जांच सीबीआई करेगी

रांची । झारखंड के हजारीबाग के रूपेश हत्याकांड की जांच सीबीआई करेगी। हाईकोर्ट ने रुपेश की मां की याचिका पर यह फैसला दिया है। इस साल 6 फरवरी को सरस्वती पूजा विसर्जन के दौरान रूपेश की हत्या कर दी गई थी। रुपेश की मां उर्मिला पांडेय ने सीबीआई जांच के लिए याचिका दायर कर हजारीबाग पुलिस पर जांच सही तरीके से नहीं करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि पुलिस घटना के आरोपियों को बचा रही है।

हजारीबाग के बरही में 6 फरवरी को सरस्वती पूजा के विसर्जन जुलूस के दौरान रुपेश पांडेय (18 वर्ष) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में राज्य भर में प्रदर्शन हुए थे। सरकार ने एहतियात के तौर पर 4 जिलों में इंटरनेट कनेक्शन बंद कर दिया था। मामले की जांच करने बाल संरक्षण आयोग की टीम भी आई थी। रूपेश की मां ने सरकार से अपने बेटे की हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी।

गुजरात में केजरीवाल ने किया किसान गारंटी का ऐलान, हमारी सरकार एमएसपी पर खरीदेगी फसल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गुजरात चुनाव को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात का दौरा कर रहे हैं। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में किसान गारंटी का ऐलान किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। लेकिन अब तक सभी पार्टियों ने इनकी अनदेखी करने की कोशिश की है। उन्होंने दावा किया कि गुजरात में हर सरकार और पार्टी ने किसानों की अनदेखी की है। किसान भाइयों की समस्याओं और मुद्दों पर बात करने के लिए ही मैं गुजरात आया। अपने संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद हम किसानों से एमएसपी पर अनाज खरीदेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि कर्ज, एमएसपी और बिजली किसानों की मुख्य समस्याएं हैं। उन्होंने दावा किया कि 600 मछुआरे पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। केंद्र सरकार को पाकिस्तान से बात करके इन्हें छुड़ाना चाहिए। भाजपा पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि वे कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार है, लेकिन यहां सभी इंजन बंद है। उन्होंने लोगों से कहा कि हमें वोट दें हम सभी इंजन शुरू करेंगे। अपने संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि आज हम द्वारकाधीश भगवान श्री कृष्ण और भगवान बलराम जी की धरती से किसानों को गारंटी देने जा रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन्होंने 27 साल से गुजरात का बेड़ा गर्क किया है। भगवान श्री कृष्ण ने अपने सुदर्शन चक्र चला उसे ठीक करेंगे और दिसंबर में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने साफ तौर पर कहा कि मुझे भारत को विकसित देश बनाना है और इसके लिए लगातार में काम कर रहा हूं। अपने संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि मुझे राजनीति नहीं आती है। मुझे सिर्फ में भारत का नंबर 1 का देश बनाना है। ये भाषणबाज़ी से नहीं होगा! देश में स्कूल ठीक करने पड़ेंगे, अस्पताल बनाने पड़ेंगे, रोज़गार देना पड़ेगा, अच्छी सड़कें बनानी पड़ेंगी, किसानों को समृद्ध बनाना पड़ेगा। गुजरात के किसानों के लिए केजरीवाल ने जो गारंटी दी हैं उसमें फसलों पर एमएसपी, खेती के लिए दिन में 12 घंटे बिजली, ज़मीन सर्वे रद्द कर नया सर्वे, रू.20,000/Acre मुआवज़ा, नर्मदा बांध के पूरे Command क्षेत्र में 1 साल में पानी और रू.2 लाख तक के क़र्ज़ माफ़ शामिल है।

श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका हुई खारिज, परिवार से मिलने पहुंचा सपा का डेलिगेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के गौतम बौद्ध नगर की एक अदालत ने राजनेता श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। त्यागी को पिछले महीने नोएडा की एक महिला के साथ मारपीट और गाली देने का एक कथित वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। आदेश की प्रति के अनुसार गौतम बौद्ध नगर के जिला एवं सत्र न्यायालय में विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) रणविजय प्रताप सिंह ने जमानत याचिका खारिज कर दी। त्यागी के वकील सुशील भाटी ने भी इस बात की पुष्टि की है कि जमानत याचिका खारिज कर दी गई है।

34 वर्षीय त्यागी को नौ अगस्त को नोएडा पुलिस द्वारा मेरठ से गिरफ्तार किए जाने के बाद यूपी गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। गैंगस्टर अधिनियम के अलावा उस पर 5 अगस्त को महिला के साथ मारपीट करने और उसकी कारों पर केवल राज्य विधानसभा सदस्यों को जारी किए गए स्टिकर और राज्य सरकार के प्रतीक का उपयोग करने के लिए धोखाधड़ी के मामले में भी मामला दर्ज किया गया था। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा के ग्रैंड ओमेक्स हाउसिंग सोसाइटी में श्रीकांत त्यागी की पत्नी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने त्यागी परिवार से मुलाकात की, यहां तक ??कि पार्टी के नोएडा महानगर के नेता ने बैठक के विरोध में इस्तीफा दे दिया। श्रीकांत त्यागी के परिवार से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले, एसपी नोएडा महानगर उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने त्याग पत्र में शैलेंद्र ने कहा कि एक महिला को गाली देने वाले श्रीकांत त्यागी के परिवार से मिलना महिला विरोधी कृत्य है। उन्होंने यह भी कहा कि हाउसिंग सोसाइटी के लोग बैठक को लेकर पार्टी से नाराज होंगे।

मोदी सरकार ने किसानों के खातें में सीधे पैसे भेज रही : जेपी नड्डा

गुरुग्राम (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे कामों का जिक्र कर दावा किया कि केंद्र ने गरीब कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। अपने संबोधन में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा किसानों की भूमि है। हरियाणा जवानों की भूमि है। हरियाणा खिलाड़ियों की भूमि है। हरियाणा पहलवानों की भूमि है। हरियाणा, भारत की रक्षा करने वाली पवित्र भूमि भी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, मनोहर लाल के द्वारा किए गए कार्यों के माध्यम से देश और प्रदेश की राजनीतिक संस्कृति बदल दी है। भाजपा से पहले जाति और समुदाय के नाम पर वोट मांगते थे, समाज को बांटते थे। आज भाजपा के विकास कार्यों पर जनता अपनी मोहर लगा रही है।

नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के खातें में सीधे पैसे भेजे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस देश में पोलियो की दवाई को 2 साल, टीबी की दवाई को 30 साल, चिकनपॉक्स की दवाई को 35 साल, जापानी बुखार की दवाई को आने में 100 साल लगे। ऐसी हमारी स्थिति थी। लेकिन पीएम मोदी ने 9 माह में 2 करोना की दवाई देश को दी। जिस बात को भारत पहले से बोलता था कि हमारे स्वास्थ्य के लिए मोटा अनाज जरूरी है, तब लोग हंसते थे। मगर इसी बात को हम लोगों ने जब दुनिया के मंच से कहा, तब संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2023 को बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित कर दिया है और इस पर विश्व के 72 देशों ने भारत का समर्थन दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईएनएस विक्रांत को देश को समर्पित किया है। भारत का पहला सबसे बड़ा स्वदेशी विमान वाहक है। उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा को समर्थन दे रहे हैं, मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। प्रजातंत्र में आज अकेली भाजपा ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक पृष्ठभूमि पर कार्यकर्ताओं को अपने साथ लेकर जनता की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए काम कर रही है।

आईएनएस विक्रांत देश की समुद्री सुरक्षा के लिए एक अहम कदम : राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत के लिए भारतीय नौसेना, नौसेना डिजाइन ब्यूरो और कोचीन शिपयार्ड को बधाई देकर पोत को बेड़े में शामिल करने को देश की समुद्री सुरक्षा के लिए एक अहम कदम बताया। राहुल ने कहा कि भारतीय नौसेना, नौसेना डिजाइन ब्यूरो और कोचीन शिपयार्ड को कई वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए बहुत-बहुत बधाई, जिससे आईएनएस विक्रांत का सपना साकार हुआ। भारत का पहला स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रांत भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक अहम कदम है। उन्होंने आईएनएस विक्रांत की एक तस्वीर भी साझा की। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का शुक्रवार को जलावतरण किया गया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया जिनके पास इसतरह के बड़े युद्धपोतों के निर्माण की घरेलू क्षमताएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में एक समारोह में स्वदेश में निर्मित पोत को नौसेना के बेड़े में शामिल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के मौके पर एक पट्टिका का अनावरण किया।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस से कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण की मुलाकात, तीन नेता और 9 विधायक हो सकते हैं भाजपा में शामिल

मुंबई (एजेंसी)।

इनदिनों गणेशोत्सव के दौरान महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम भी जोर पकड़ रहा है। एक ओर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बैठकें शुरू हो गई हैं। वहीं बीजेपी गठबंधन में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के दौरे की बात हो रही है। अब एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। अशोक चव्हाण और देवेंद्र फडणवीस के बीच बैठक के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा छिड़ गई है। कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेदों के कारण पहले ही कई लोगों ने इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस में फूट की आशंका है। चर्चा यह भी है कि शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कांग्रेस के दो पूर्व नेता जल्द ही शपथ ले सकते हैं।

फडणवीस और अशोक चव्हाण की मुलाकात आशीष कुलकर्णी के घर पर हुई थी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि तीन नेता और 9 विधायक भाजपा में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। इससे कांग्रेस में विभाजन का दौर देखने को मिल सकता है। हालांकि इस यात्रा के पीछे की वजह गणपति पूजा हैं, लेकिन इस दौरान क्या-क्या चर्चा हुई, इस पर राजनीतिक चर्चा छिड़ गई है। क्या अशोक चव्हाण जल्द बीजेपी में शामिल करेंगे? इस पर चर्चा की जा रही है। इस बात पर भी चर्चा चल रही है कि क्या शिंदे समूह मनसे के साथ गठबंधन करेगा या नहीं।

गौरतलब है कि विधानसभा में शिंदे-फडणवीस सरकार के विश्वास मत प्रस्ताव में वे गैरहाजिर रहे थे। अपने धन्यवाद भाषण में फडणवीस ने यह कहकर उनका आभार माना था कि, 'जो अदृश्य हाथ हमारे पीछे रहे, उन्हें भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं।' बाद में यह सफाई आई कि देर से पहुंचने की वजह से वे विश्वास मत प्रस्ताव के विरोध में वोट नहीं दे पाए।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के दौरे के दौरान भिड़े कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता

हैदराबाद (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तेलंगाना दौरे पर हैं। वित्त मंत्री यात्रा के दौरान कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं आपस में भिड़ गए। इस दौरान पुलिस ने बिगड़ती स्थिति को काबू करने की कोशिश की। खबर है कि केंद्रीय मंत्री भाजपा की लोकसभा प्रवास योजना के तहत जहीराबाद क्षेत्र का दौरा कर रही हैं।

शुक्रवार को यूथ कांग्रेस सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीतारमण के काफिले को रोकने की कोशिश की। इसी बीच भाजपा कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए और दोनों समूहों में बहस शुरू हो गई। खबर है कि दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई कहासुनी के दौरान वह जहीराबाद में दौरा पूरा करने के बाद वह बांसवाड़ा जा रही थीं।

सीतारमण ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नेतृत्व वाली तेलंगाना की तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सरकार को बढ़ते कथित कर्ज, कृषि संकट और अन्य मुद्दों को लेकर निशाना बनाया। खास बात है राज्य में साल 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस लेकर भाजपा पहले ही काफी सक्रिय नजर आ रही है। भाजपा की %लोकसभा प्रवास योजना% के तहत जहीराबाद संसदीय क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण ने कामारेड्डी में दावा किया कि तेलंगाना में राजस्व अधिशेष था, लेकिन वह अब राजस्व घाटे की स्थिति में चला गया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस ने बजट के बाहर जाकर कर्ज लिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आत्महत्या के मामले में तेलंगाना चौथे नंबर पर है।

अटकलों के बीच जदयू ने किया साफ, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं है नीतीश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2024 चुनाव को लेकर अटकलों का दौर लगातार जारी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले 2024 में विपक्ष की ओर से पीएम पद का चेहरा कौन होगा? नीतीश कुमार के महागठबंधन में आने के बाद से उनके नाम को लेकर तरह-तरह के कयास चल रहे हैं। जदयू के कई नेता नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के दावेदार बता रहे हैं। इस बात को तब और वल मिल गया जब पटना में जदयू दफ्तर के बाहर एक पोस्ट लगा था जिसमें लिखा था पूरे प्रदेश ने देखा, अब देश देखेगा। भले ही नीतीश कुमार अभी चुप हैं। लेकिन कहीं ना कहीं 2024 को लेकर वह विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। इन सबके बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह का भी बड़ा बयान सामने आया है। ललन सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं है।

हालांकि, दूसरी ओर जदयू के बाकी नेता लगातार नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मटेरियल बता रहे है। इससे पहले ललन सिंह ने यह भी कहा था कि नीतीश कुमार का लक्ष्य बहुत बड़ा है। बीजेपी विरोधी पार्टियों को एक साथ लाना है। आज भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करना है। हालांकि, नीतीश के पीएम पद की दावेदारी पर ललन सिंह ने साफ तौर पर कह दिया कि यह मीडिया के दिमाग की उपज है। इसे टेलीविजन पर एजेंडा के तहत चलाया जा रहा था। आपको बता दें कि 4 सितंबर को जदयू के राष्ट्रीय परिषद की बैठक होने वाली है। इससे पहले नीतीश कुमार के करीबी और बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने कहा था कि नीतीश कुमार 2024 में लाल किले पर झंडा फहराएंगे। जदयू का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो 2014 में वादे किए थे उसे पूरा नहीं किया है।

भाजपा का पलटवार

वहीं, बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके नीतीश कुमार पर जबरदस्त तरीके से हमला बोला। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कह दिया कि प्रधानमंत्री तो दूर, अपने दम पर सीएम भी नहीं बन पाएंगे नीतीश कुमार। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। सभी वर्गों का ख्याल रखा जाता है। सुशील मोदी ने कहा कि लालू यादव जब चाहेंगे नीतीश कुमार को सीएम पद से हटा सकते हैं। वह अपने बेटे तेजस्वी यादव को सीएम बनाने

की कोशिश करेंगे। नीतीश कुमार पीएम बनने का सपना देख रहे हैं। लेकिन उनका यह सपना कभी पूरा नहीं होने वाला है। अगर ऐसा होता है तो सोच लीजिएगा, देश की स्थिति क्या होने वाली है।

अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति पर जानलेवा हमले की कोशिश, बाल-बाल बचीं

अर्जेंटीना। स्थानीय समयानुसार यह घटना रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। कहा जा रहा है कि जैसे ही हमलवार ने उपराष्ट्रपति पर पिस्टल तानी, वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पीछे धकेल दिया, जिससे वह बाल-बाल बच गईं।

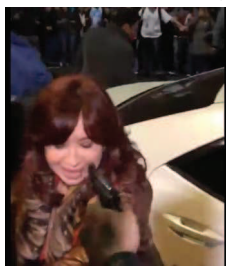

अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज पर जानलेवा हमले की खबर सामने आई है। हालांकि, इस हमले में वह बाल-बाल बच गईं। जानकारी के मुताबिक, क्रिस्टीना के घर के बाहर ही एक व्यक्ति ने उन पर पिस्टल तान दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय समयानुसार यह घटना रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। कहा जा रहा है कि जैसे ही हमलवार ने उपराष्ट्रपति पर पिस्टल तानी, वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पीछे धकेल दिया, जिससे वह बाल-बाल बच गईं। सुरक्षाकर्मियों ने हमलवार को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, हमलावर ब्राजील मूल का बताया जा रहा है। देश के वित्त मंत्री सर्जियो मस्सा ने इस घटना को हत्या की कोशिश बताया है।

चीन में कोरोना के चलते चेंगदू व शेनझेन में लगा लॉकडाउन, इस्राइल ने फिर किया सीरिया पर हमला

बीजिंग। चीन के चेंगदू और शेनझेन में कोरोना का प्रसार एक बार फिर बढ़ रहा है। चेंगदू में 19 और शेनझेन में 62 नए मामले सामने आए। इसे देखते हुए क्षेत्र में कोविड प्रतिबंधों के तहत सख्ती कर दी गई है। यहां सबसे घनी आबादी के बाओआन जिले में अगले तीन दिनों तक किसी भी सार्वजनिक जगह या घर पर जमावड़े की मनाही कर दी गई है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नए सेमेस्टर के लिए स्कूल खुलने की तारीख भी टाल दी है। पहले सारे स्कूल बृहस्पतिवार से खुलने थे। शेनझेन के हुआकियांगबेई स्थित दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में 4 दिनी लॉकडाउन भी लगा है।

इस्राइल ने सीरिया के दो हवाई अड्डों को बनाया निशाना

इस्राइल ने बुधवार देर रात सीरिया के दो हवाई अड्डों के निशाना बनाकर हवाई हमले किए। पहला हमला अलेप्पो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ, जहां हथियार लेकर पहुंचे ईरान के विमान को निशाना बनाया गया। दूसरा हमला दमिश्क एयरपोर्ट के पास हुआ। दोनों ही जगहों पर इस्राइल के तरफ से मिसाइलें दागी गईं। सीरिया की न्यूज एजेंसी सना ने कहा, इस्राइल ने 4 मिसाइलें दागीं हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट पर भारी नुकसान हुआ है लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस्राइली सैन्य प्रवक्ता ने इस पर बयान देने से इनकार कर दिया। मिस्र की स्वेज नहर के भीतर छिछले पानी में तेल का एक टैंकर फंस गया। इससे करीब सवा सात घंटे तक के लिए वैश्विक जलमार्ग बाधित रहा। हालांकि बाद में पोत को वहां से निकाल लिया गया। फंसे हुए 'एफिनिटी वी' पोत पर सिंगापुर का झंडा लगा था। बताया गया कि तकनीकी खराबी के कारण पोत नहर के किनारे से टकरा गया था।

टाइटैनिक डूबने के 110 साल बाद सामने आईं हैरान कर देने वाली तस्वीरें

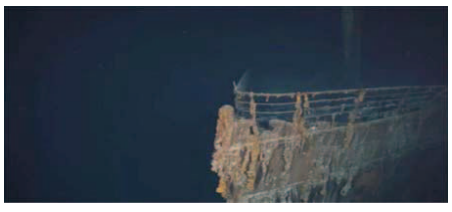

वाशिंगटन। कई साल से समुद्र में डूबे टाइटैनिक जहाज पर अन्वेषण कर रहे ओशनगेट टीम के सदस्यों ने आखिरकार मुकाम हासिल करके दुनिया को चौंका दिया है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने समुद्र में सौ साल से ज्यादा समय से डूबे टाइटैनिक जहाज के विभाजित हिस्सों की साफ, विहंगम तस्वीर दुनिया के सामने साझा की और इसके वीडियों में जहाज के विशाल 15 टन के लंगर को भी दिखाया गया। ओशनगेट टीम द्वारा ली गई टाइटैनिक जहाज की तस्वीर, वीडियो को इस सप्ताह सोशल प्लेटफार्म पर साझा किया है, जिसमें 12,500 फीट तक की गहराई में जमा जहाज के अद्भुत चित्र हैं। टाइटैनिक जहाज साल 1912 में डूबा था जिसका आधा हिस्सा समुद्र के तल में बैठ गया। रिपोर्ट के अनुसार, साझा किए गए, एक मिनट के लंबे वीडियो में दर्शक 110 साल पुराने जहाज के अलग-अलग भाग, पोटर्साइड एंकर और एंकर चेन के साथ-साथ मलबे के अन्य हिस्सों को भी देख सकते हैं।

पाकिस्तानी जज को धमकाने के मामले में इमरान की अग्रिम जमानत 12 सितंबर तक बढ़ी

इस्लामाबाद। एक जज को धमकाने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अग्रिम जमानत एक बार फिर बढ़ गयी है। इस्लामाबाद स्थित आतंकवादरोधी अदालत ने इमरान खान को अब 12 सितंबर तक गिरफ्तारी से राहत दे दी है।

पाकिस्तान सरकार की तरफ से इमरान खान पर आरोप लगाया गया था कि वे भड़काऊ भाषण देकर देश की जनता को सरकार, अदालत और सेना के खिलाफ भड़काना चाहते हैं। भड़काऊ भाषण के आरोप में उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। आरोप था कि बीते 20 अगस्त को इस्लामाबाद की एक सभा में उन्होंने पाकिस्तान की एक न्यायाधीश जेबा चौधरी को धमकी दी थी। इसके अलावा कई अधिकारियों और सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक बातें करने के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने इमरान के भाषण को भड़काऊ माना है। आरोप लगाया गया था कि इसके जरिए इमरान खान देश की जनता को सरकार, न्यायालय और सेना के खिलाफ भड़का कर देश में गृहयुद्ध कराना चाहते थे।

जैसे ही मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, सरकार और पुलिस सक्रिय हो गई। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने इमरान के भाषण के लाइव प्रसारण पर रोक लगा दी। उनके भाषणों को लाइव न प्रसारित करने का आदेश जारी किया गया। पुलिस ने इस मामले में इमरान खान पर आतंकवाद निरोधी कानून की धारा सात के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। इमरान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके घर बनीगाला भी पहुंची थी लेकिन लोगों की भारी भीड़ देखते हुए उसे लौटना पड़ा। समर्थकों ने इमरान की गिरफ्तारी होने पर देशभर में बवाल होने की चेतावनी दी थी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए इमरान खान ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर बीती 22 अगस्त को तीन दिन के लिए उनकी जमानत मंजूर कर दी गयी थी। जमानत के तीन दिन बीतने पर इमरान 25 अगस्त को इस्लामाबाद स्थित आतंकवादरोधी अदालत में पेश हुए, तब अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर एक सितंबर तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। इमरान खान फिर आतंकवादरोधी अदालत में पेश हुए। न्यायाधीश राजा जवाद अब्बास हसन ने उनकी अंतरिम जमानत 12 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है।

ताइवान के सैनिकों ने पहली बार चीनी ड्रोन को मार गिराया

ताइपे। चीन-ताइवान के बीच तनाव हर दिन एक नई घटना के साथ बढ़ता जा रहा है। ताजा मामले में ताइवानी सैनिकों ने उसके वायु क्षेत्र में प्रवेश कर रहे एक ड्रोन को मार गिराया। किनमेन डिफेंस कमांड ने बताया कि ड्रोन दोपहर को चीनी तट के पास शियू द्वीप के प्रतिबंधित वायु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। पहले चेतावनी स्वरूप फायरिंग की गई, लेकिन इसके बावजूद ड्रोन अपनी जगह पर उड़ता रहा। इसके बाद उसे मार गिराया गया।

इससे पहले ताइवान के एर्डन द्वीप के हवाई क्षेत्र में 30 अगस्त को भी चीनी सेना का ड्रोन घुस आया था। ताइवानी सुरक्षा बलों ने प्रोटोकाल के अनुसार, पहले चेतावनी जारी की। इसका कोई असर होता न देख बाद में सुरक्षा बलों ने उस पर गोलियां दागीं और उसे अपने क्षेत्र से भागने पर विवश कर दिया था।बयान में कहा गया है कि यह एक नागरिक

उपयोग में लाया जाने वाला ड्रोन था। एक दिन पहले ताइवान ने इसके तीन द्वीपों के ऊपर दिखे चीनी ड्रोन को लेकर चेतावनी दी गई थी। हालांकि चीन ने उसके आरोप को खारिज कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद चीन का ताइवान व अमेरिका से तनाव बढ़ गया था। चीन ताइवान को अपना प्रांत मानता है, इसलिए किसी भी देश के नेताओं की आवाजाही को वह अपनी संप्रभुता के खिलाफ मानता है।

जॉनसन एंड जॉनसन चुकाएगी 323 करोड़, दवा से हजारों लोगों की मौत पर दिया मुआवजा

वाशिंगटन। जानी-मानी दवा कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अमेरिकी राज्य न्यू हैम्पशायर को करीब 323 करोड़ रुपये मुआवजा देने पर सहमति दी। यह मुआवजा कंपनी की अफीम आधारित दवा की लत से राज्य में हजारों लोगों की मौत व पीड़ितों के इलाज के एवज में दिया जाएगा। दर्द निवारक के तौर साल 2000 से यह दवा ली जा रही थी, इसकी चपेट में अधिकतर बुजुर्ग आए। जॉनसन एंड जॉनसन और सहयोगी कंपनी पर न्यू हैम्पशायर समेत कई राज्यों व पीड़ितों ने केस किए हैं। फरवरी में राष्ट्रीय समझौते से न्यू हैम्पशायर अलग रहा था। गवर्नर क्रिस सुनुनु ने कहा, कंपनी ने जो कुछ किया, भविष्य में वैसा न हो।

मुकदमे में कहा गया कि जॉनसन ने भ्रामक दावे किए कि दवा घातक नहीं है। जॉनसन और उसकी सहयोगी जेनसन फार्मा हमेशा अड़े रहे कि उनकी दवा की लत बहुत कम मामलों में लगती है। ताजा समझौते के बाद भी कहा, इसे आरोपों स्वीकरोक्ति न समझें। लंबित मुकदमों को वह लड़ती रहेगी।

न्यू हैम्पशायर को फरवरी में 2.65 करोड़ डॉलर 9 साल में मिलते। ताजा समझौते में उसे एकमुश्त 4.05 करोड़ डॉलर (323 करोड़ रुपये) मिलेंगे। अमेरिका में दवा कंपनियों, वितरकों, फार्मेसी ने ओपिओइड्स व अन्य दवाओं से मौतों व नुकसान के लिए 4,000 करोड़ डॉलर (3.18 लाख करोड़ रुपये) के समझौते किए हैं।

5 लाख को गंवानी पड़ी जान

साल 2000 से अब तक इस दवा, अन्य वैध

ओपिओइड्स व अवैध मादक पदार्थों से अमेरिका में 5 लाख लोग मारे गए हैं। न्यू हैम्पशायर में 2016 में 500 मौतें हुईं, जो 2000 के मुकाबले 10 गुना थीं। इस वजह से अमेरिकी दवा प्रवर्तन ने राज्य को सबसे ज्यादा प्रभावित बताया।

भ्रष्टाचार मामले में मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक की पत्नी को भी जेल

कुआलालंपुर। मलेशिया की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक की पत्नी रोस्माह मंसूर को भी 12 साल की सजा सुनाई है। रोस्माह को पति के कार्यकाल में रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराया गया और उनके पति भी जेल जा चुके हैं। अदालत ने उन्हें हर एक मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई और 97 करोड़ रिंगिट का जुर्माना भी लगाया। नजीब को पहले ही मलेशियाई विकास बरहाद कोष (एमडीबी) के सरकारी धन के गबन के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और पिछले सप्ताह उन्हें जेल भेज दिया गया था।

रोस्माह मंसूर को बोर्नियो द्वीप के स्कूलों को सौर ऊर्जा पैनल लगाने करने की परियोजना का काम एक कंपनी को दिलाने के लिए 2016 और 2017 के बीच 65 लाख रिंगिट रिश्वत (15 लाख अमेरिकी डॉलर) मांगने और उसे स्वीकार करने के तीन मामलों में दोषी ठहराया गया।

अदालत ने उन्हें हर एक मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई और उन पर 97

करोड़ रिंगिट का जुर्माना भी लगाया। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। शीर्ष अदालतों में उनकी अपील लंबित होने तक वह जमानत के लिए गुहार लगा सकती हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मोहम्मद जैनी मजलान ने कहा कि अभियोजकों ने यह साबित कर दिया है कि रोस्माह मंसूर ने रिश्वत मांगी और उसे स्वीकार भी किया था।

करेंगी फैसले के खिलाफ अपील

हालांकि उनकी सजा पर रोक लगा दी गई है और अब वह फैसले के खिलाफ अपील कर सकती हैं। रोस्माह ने कोर्ट में कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे वह काफी दुखी हैं। रोस्माह की लाइफ स्टाइल हमेशा आलोचकों के लिए चर्चा का विषय थी। एक बार वह अपने हैंडबैग की वजह से खबरों में आ गई थीं। नजीब के सत्ता से जाने के बाद उनके पारिवारिक ठिकानों पर लगातार छापेमारी की गई। इसमें लग्जीरियस हैंड बैग्स से लेकर 423 घड़ियां, 14 ताज और दूसरी ज्वैलरी मिली। साथ ही साथ 246 मिलियन डॉलर कैश भी उनके घर से बरामद हुआ था।

अमेरिका में मिले 30 से ज्यादा बच्चे मंकीपॉक्स से संक्रमित, अब तक 50 राज्यों में फैला वायरस

वाशिंगटन। कोरोनावायरस के बाद मंकीपॉक्स दुनियाभर में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अफ्रीका से निकला यह वायरस अब अमेरिका में बड़ा रूप ले रहा है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक अमेरिका में 30 से ज्यादा बच्चे मंकीपॉक्स से संक्रमित मिले हैं। टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य में नौ बच्चे वायरस की चपेट में हैं। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में 18,989 मंकीपॉक्स और ऑर्थोपॉक्सवायरस के मामले हैं। इस बीच, टेक्सास में मंकीपॉक्स से पीड़ित एक व्यक्ति की पहली मौत की सूचना मिली है। टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग ने (स्थानीय समयानुसार) एक बयान में कहा कि मरीज हैरिस काउंटी में रहने वाला एक वयस्क था।

चीन में मुस्लिमों पर जुल्म, डिटेंशन सेंटरों में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जबरन नसबंदी...चौंकाने वाली रिपोर्ट

बीजिंग। चीन ने संयुक्त राष्ट्र (संरा) मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट जारी होने पर हैरान जताई है, जिसमें उसपर शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के 'मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन' का आरोप लगाया गया है। चीन ने रिपोर्ट को अवैध और अमान्य करार देते हुए कहा कि अमेरिका ने उसे रोकने के लिए यह रिपोर्ट गढ़ी है। निवर्तमान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बेचलेट की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट, जिनेवा में नाटकीय अंदाज में जारी की गई। बैचलेट चीन के साथ लंबे समय तक चले राजनयिक विवाद के बाद मई में शिनजियांग गई थीं, जिसके बाद यह रिपोर्ट जारी की गई है।

चीन ने की रिपोर्ट की आलोचना

चीन ने रिपोर्ट जारी करने पर आश्चर्य जताते हुए इसपर कड़ा विरोध दर्ज कराया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां एक मीडिया

ब्रीफिंग में रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा, 'तथाकथित आकलन अमेरिका और कुछ पश्चिमी ताकतों द्वारा रचा और तैयार किया गया है। यह पूरी तरह से अवैध और अमान्य है।' चिली की पूर्व राष्ट्रपति बैचलेट ने अत्यधिक दबाव के बीच आखिरकार बीजिंग के विरोध को दरकिनार कर दिया और बुधवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन रिपोर्ट जारी की।

मुस्लिमों पर अत्याचार

रिपोर्ट में कहा गया है कि शिनजियांग में उइगर और अन्य मुस्लिम जातीय समूह के लोगों को सरकार द्वारा जबरन नजरबंद रखना मानवता के खिलाफ अपराध के दायरे में आ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार चीन ने अपनी आतंकवाद और उग्रवाद रोधी नीतियों के तहत मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया है। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व बिरादरी और खुद चीन से इस पर ''तत्काल ध्यान' देने का आह्वान किया है। पश्चिमी राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि रिपोर्ट लगभग तैयार थी, लेकिन बैचलेट का चार साल का कार्यकाल पूरा होने से कुछ ही मिनटों पहले इसे जारी किया गया। कई पत्रकारों, स्वतंत्र मानवाधिकार समूहों ने शिनजियांग में वर्षों से मानवाधिकार उल्लंघन पर काफी कुछ लिखा है। बैचलेट की इस रिपोर्ट पर संयुक्त राष्ट्र तथा उसके सदस्य देशों की मुहर लगी है। इसके जारी होने के बाद विश्व संस्था में चीन के प्रभाव पर बहस छिड़ गई। रिपोर्ट जारी होने से कुछ देर पहले संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने कहा था कि बीजिंग इस रिपोर्ट का ''दृढ़ता से विरोध' करता है।

मानवाधिकार समूहों और जापान की सरकार ने इस रिपोर्ट का स्वागत किया है। जापान रिपोर्ट पर टिप्पणी करने वाले शुरुआती देशों में से एक था। रिपोर्ट गुरुवार सुबह एशिया में जारी की गई थी। जापान के शीर्ष सरकारी प्रवक्ता ने चीन से शिनजियांग क्षेत्र में पारदर्शिता और मानवाधिकार की स्थिति में सुधार करने का आग्रह किया। मानवाधिकार संगठनों 'ह्यूमन राइट्स वॉच' और 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने संयुक्त राष्ट्र और सरकारों से मानवाधिकारों के हनन की एक स्वतंत्र जांच करने का आह्वान किया।

पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे लौटेंगे श्रीलंका, रक्षा अधिकारियों ने दी खबर

बीजिंग: श्रीलंका के अपदस्थ राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे श्रीलंका लौटने वाले हैं। देश में ऐतिहासिक आर्थिक संकट और इसके कारण पैदा हुए राजनीतिक संकट व अशांति के बाद उन्होंने देश छोड़ दिया था। उनकी जगह रानिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति के तौर पर देश की बागडोर संभाल रहे हैं। श्रीलंका के रक्षा अधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे के जल्द स्वदेश लौटने की जानकारी दी है। उनकी जगह रानिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति के तौर पर देश की बागडोर संभाल रहे हैं।

जुलाई में देश से भाग निकले थे

देश में जबर्दस्त आर्थिक व सियासी संकट व उनके खिलाफ भड़के विद्रोह के बीच वे जुलाई में देश छोड़ कर भागने को मजबूर हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति शनिवार को थाईलैंड से स्वदेश लौट सकते हैं। डेली मिरर ने राजपक्षे के करीबी रूस में श्रीलंका के पूर्व राजदूत उदयंगा वीरातुंगा के हवाले से यह खबर दी है। उन्होंने संकेत दिया कि

राजपक्षे वापस थाईलैंड से देश लौट सकते हैं। इससे पहले उन्होंने संकेत दिया था कि 24 अगस्त को स्वदेश लौट सकते हैं। गौरतलब है कि गोतबाया राजपक्षे पिछले महीने मालदीव भाग गए थे और उसके बाद वहां से सिंगापुर भाग गए। उन्होंने मेडिकल वीजा पर सिंगापुर में प्रवेश किया और वहां रहने के लिए इसे दो बार बढ़ाया गया। चूंकि इसके बाद उनके वीजा आगे नहीं बढ़ाया जा सका इसलिए राजपक्षे और उनकी पत्नी थाईलैंड के लिए रवाना हुए। थाई सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वे वहां 90 दिनों तक रह सकते हैं। हालांकि, राजपक्षे को थाईलैंड में राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई है। फिलहाल, पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे अपनी पत्नी लोमा राजपक्षे के साथ बैंकॉक के एक होटल में ठहरे हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राजपक्षे के नेतृत्व वाली एसएलपीपी द्वारा उनसे अनुरोध किए जाने के बाद राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने उनकी वापसी की व्यवस्था की है। 19 अगस्त को एसएलपीपी के महासचिव सागर करियावासम ने कहा कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के साथ हुई बैठक में ये अनुरोध किया गया था।

जर्मनी में पायलटों की हड़ताल, उड़ानें निरस्त होने पर दिल्ली में हंगामा

बर्लिन : जर्मनी के पायलट एक दिनी हड़ताल पर हैं। इसके कारण देश की अग्रणी लुफ्थांसा एयरलाइंस ने 800 से ज्यादा फ्लाइट निरस्त कर दी है। इसके कारण 1.30 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए हैं। उड़ान निरस्त होने से दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर बीती रात यात्रियों ने हंगामा किया। इसके कारण एयरपोर्ट पर आवाजाही में बाधा पड़ी। जर्मनी की पायलट यूनियन ने विभिन्न मांगों को लेकर आज हड़ताल का एलान किया है। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, पायलटों की हड़ताल के चलते लुफ्थांसा एयर लाइन की 800 उड़ानें रद्द होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने के कारण करीब 1.30 लाख यात्रियों पर असर पड़ सकता है।

यात्रियों ने की रिफंड या वैकल्पिक उड़ान की मांग-आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी ने बताया कि रात करीब 12 बजे 150 से ज्यादा लोगों की भीड़ एयरपोर्ट के

डिपार्चर गेट नं. 1 व टर्मिनल नंबर 3 के सामने जमा हो गई। ये लोग लुफ्थांसा की फ्रेंकफर्ट व म्युनिख की उड़ानें निरस्त होने के कारण यात्रियों का पैसा रिफंड करने या वैकल्पिक उड़ान की मांग कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय विमानतल के बाहर भीड़ जमा होने से अन्य यात्रियों को आवाजाही में दिक्कत होने लगी। इसके बाद आईजीआई के स्टाफ व सीआईएसएफ के जवानों ने स्थिति संभाली और भीड़ को दूर किया। डीसीपी ने कहा कि जर्मन एयरलाइंस के यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान के प्रबंध किए जा रहे हैं।

संपादकीय

चीनी मुसलमानों की दुर्दशा

सैकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जानेवाले और वहां से आनेवाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे। उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

संयुक्तराष्ट्र संघ की मानव अधिकार परिषद ने चीन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उसकी ताजा रपट में उसने बताया है कि चीन के शिन च्यांग (सिंक्यांग) प्रांत के लगभग दस लाख उइगरों को यातना शिविरों में बंद करके रखा हुआ है। ये उइगर मुसलमान हैं। ये दिखने में भी चीनियों से अलग दिखते हैं। उनका सिंक्यांग प्रांत हमारे लद्दाख से लगा हुआ है। सैकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जानेवाले और वहां से आनेवाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे। उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है। कुछ उइगर नेताओं और व्यापारियों को अपना हथियार बनाकर चीनी सरकार उन पर निरंतर जुल्म करती रहती है। संयुक्तराष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं। वहां मदरसे नहीं चलने दिए जाते हैं। इस्लामी देशों के प्रचारकों को वहां घुसने भी नहीं दिया जाता है। उनकी वेशभूषा और नाम भी बदलने की कोशिश बराबर जारी रहती है। उइगर बच्चों के स्कूलों में चीनी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती है। शिंनच्यांग प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी का शिंकजा इतना कड़ा है कि जो उइगर मुसलमान उसके पदाधिकारी हैं, वे चीनियों की नकल भर बने रहते हैं। सिंक्यांग प्रांत की राजधानी उरुमची और अन्य शहरों व गांवों में मुझे घूमने-फिरने और आम आदमियों से खुलकर बात करने का मौका मिला है। कई उइगरों से पेइचिंग और शांघाई में भी मेरा खुलकर संवाद हुआ है। वे अपने आप को चीनी कहने में ही संकोच करते हैं। सिंक्यांग में मैंने जैसी गरीबी देखी, वैसी दुनिया के बहुत कम देशों में देखी है। वहां की कई महिलाओं ने शिकायत की कि चीनी लोग उनके साथ काफी बुरा बर्ताव करते हैं। राजधानी उरुमची में पाकिस्तानी छात्रों की भरमार रहती है। चीनी सरकार उन्हें लगभग मुफ्त में मेडिकल की शिक्षा देती है लेकिन उसे यह डर भी लगा रहता है कि इन इस्लामी पाकिस्तानियों के जरिए अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुस्लिम राष्ट्रों के आतंकवादी कहीं सिंक्यांग में अपना अड्डा न बना लें। ये उइगर लोग भारत और पाकिस्तान को बहुत प्यार करते हैं लेकिन देखिए उनकी बदक़िस्मती कि इन दोनों देशों के नेता उइगरों के मुद्दे पर मौन धारण किए रहते हैं। अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्र जब मुंह खोलते हैं, चीन उन पर निहित स्वार्थ और दुश्मनी का आरोप लगाता है। चीनी सरकार ने संयुक्तराष्ट्र की इस ताजा रपट को भी यही कहकर रद्द कर दिया है।

कार्टून

मजबूत विपक्ष की भूमिका भी समझे कांग्रेस

(लेखक-- विश्वनाथ सचदेव)

देश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इस सवाल का जवाब अब एक महीने के लिए और टल गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। पिछले पूरे एक साल से, और सच तो यह है कि इससे बहुत पहले से, यह सवाल टलता चला आ रहा है। हर राजनीतिक दल अपना अध्यक्ष चुनता है, यह बात दूसरी है कि कुल मिलाकर यह चुनाव एक मनोनयन बनकर रह गया है। चुनाव का नाटक जरूर होता है, पर इससे यह प्रमाणित नहीं हो जाता कि दल-विशेष में अध्यक्षीय चुनाव के लिए जनतांत्रिक तरीका अपनाया ही जाता है। यह दुर्भाग्य की बात है, पर इस हकीकत को अस्वीकारा भी नहीं जा सकता। इस समस्या के संदर्भ में कांग्रेस पार्टी की दुविधा-या संकट-और भी है। दुविधा यह कि कांग्रेस को अक्सर यही लगता रहा है कि नेहरू-गांधी परिवार उसको जोड़े रखने वाली ताकत है और संकट यह है कि सीमेंट की भूमिका निभाने के बावजूद एक बहुत लंबे अरसे से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का चेहरा जनता में वह विश्वास नहीं जगा पा रहा जिसकी अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से होती है। अब स्थिति यह है कि नेहरू-गांधी परिवार नेतृत्व संभालने के प्रति अपनी अनिच्छा जता रहा है और कांग्रेस वालों को यह समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी नहीं तो फिर और कौन? उम्मीद की जानी चाहिए कि अक्तूबर में सवाल का कोई जवाब मिल जायेगा। पर एक सवाल और भी है, जिसका जवाब देश को चाहिए- क्या कमज़ोर विपक्ष जनतंत्र की सफलता की सबसे अहम शर्त निभाने में मददगार हो सकता है? जनतंत्र में जितनी आवश्यकता एक सशक्त सत्तारूढ़ दल की है उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि विपक्ष कितना ताकतवर है? हमें एक मज़बूत सत्तारूढ़ दल भी चाहिए और उतना ही मज़बूत एक विपक्ष भी। शर्त यह है कि यह मज़बूती सिर्फ संख्या-बल की नहीं होनी चाहिए, नीतियों और मूल्यों की दृष्टि से भी एक ठोस विकल्प की ज़रूरत होती है जनतंत्र को सफल बनाने के लिए। आज केंद्र में एक मज़बूत सत्तारूढ़ दल तो है हमारे पास, और यह दल इस बात के प्रति सावधान भी है कि उसकी यह मज़बूती बनी रहे, भले ही इसके लिए कैसा भी समझौता क्यों न करना पड़े। लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारा विपक्ष कमज़ोर है- संख्या की दृष्टि से भी और नीतियों-कार्यक्रमों की दृष्टि से भी। हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश है। पिछले पचहत्तर सालों में जनतंत्र के कई कीर्तिमान भी स्थापित किये हैं हमने। लेकिन हकीकत यह भी है कि स्वतंत्रता के शुरुआती दस-बीस सालों के बाद मूल्यों और आदर्शों की दृष्टि से गिरावट का एक क्रम शुरू हो गया था, जो , दुर्भाग्य से, लगातार जारी है। इस गिरावट को रोकना ज़रूरी है। इसीलिए, यह भी ज़रूरी है कि राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर जनतंत्र के नागरिक लगातार नज़र बनाये रखें। यह नज़र बनाये रखने का एक तरीका वोट के माध्यम से राजनीतिक दलों पर अंकुश बनाये रखने का है, और दूसरा तरीका है राजनीतिक नेतृत्व की कथनी-करनी पर नज़र गड़ाए रखना। आज यदि कहीं पर लग रहा है कि सत्तारूढ़ दल अपनी ताकत पर इतराने लगा है, अथवा यह मानकर चल रहा है कि वह अपनी मनमानी करते रह सकता है तो उसे बताना ज़रूरी है कि जनतंत्र में शासक नेता नहीं, मतदाता होता है। और यदि यह दिखता है कि विपक्ष अपनी भूमिका ढंग से नहीं निभा रहा तो उसे भी चेतावनी देने का काम मतदाता को ही करना होता है। जनतंत्र का असली चौकीदार मतदाता ही होता है, न तो उसकी आंख लगनी चाहिए और न ही उसका ध्यान बंटना चाहिए। बहरहाल, सत्तारूढ़ दल का किसी गलतफहमी में जीना और विपक्ष का कमज़ोर होते जाना जनतंत्र के औचित्य पर सवालिया निशान लगाता है। दुर्भाग्य से, आज यह दोनों बातें होती दिख रही हैं। सत्तारूढ़ दल को लग रहा है कि वह अपनी ताकत बढ़ाने के लिए कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है और विपक्ष यह मानकर चलता दिख रहा है कि उसकी ताकत अपने आप बढ़ जायेगी।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ग़लतफहमी में जी रहे हैं। यह दोनों बातें जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी हैं। देश में जिस तरह सरकारें गिरायी-बनायी जा रही हैं, उसके औचित्य पर सवाल अक्सर उठते रहते हैं। सवाल विपक्ष के कमजोरी से न उबरने पर भी उठना चाहिए। स्वयं विपक्ष को भी अपने आप से यह पूछना चाहिए कि वह उबर नहीं पा रहा अथवा उबरना चाहता नहीं? न उबर पाने और उबरना न चाहने वाला यह सवाल आज कांग्रेस के सामने मुंह बाये खड़ा है। अध्यक्ष के मसले का समाधान तो कुछ न कुछ हो ही जायेगा, पर सवाल कांग्रेस के मज़बूत होने का ज़्यादा महत्वपूर्ण है। जल्दी ही कांग्रेस का देश जोड़ो अभियान शुरू होने वाला है। देश जोड़ने के लिए जनता से जुड़ने की इस कोशिश का स्वागत होना चाहिए। महत्वपूर्ण है यह बात। लेकिन इससे कहीं महत्वपूर्ण आज यह है कि कांग्रेस अपनी कमज़ोरियों को समझने की कोशिश करे, अपने आप से यह पूछे कि कांग्रेस के स्तंभ गिरते क्यों जा रहे हैं। इसका सबसे हालिया उदाहरण गुलाम नबी आज़ाद का कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देना है। लगभग आधी सदी से वे कांग्रेस के नेतृत्व से जुड़े रहे हैं, ऐसी स्थिति क्यों आयी कि वे अपनी अलग पार्टी बनाने के लिए निकल पड़े? इसके अलावा एक लंबी सूची है उन लोगों की जो कांग्रेस पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए हैं। इसका बड़ा कारण उनके राजनीतिक स्वार्थ हो सकते हैं, लेकिन कांग्रेस को कहीं न कहीं अपने घर की दीवारों की बुरी हालत भी देखनी होगी। क्यों हो रहा है ऐसा? क्यों कांग्रेस की स्थिति एक डूबते जहाज़ जैसी दिख रही है?

एक लंबे अरसे तक कांग्रेस सत्तारूढ़ दल बनी रही है। आज कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है। जैसे सत्तारूढ़ भाजपा को अपने वर्तमान पर इतराना नहीं चाहिए, वैसे ही कांग्रेस भी अपने अतीत के सहारे नहीं जी सकती। उसे बेहतर विपक्ष के लिए जीना है। संभावनाएं तलाशनी भी हैं और देश के लिए नये सपनों की संभावनाओं के लिए रास्ते भी बनाने हैं। मज़बूत विपक्ष जनतंत्र की सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज कांग्रेस का दायित्व है कि वह इस शर्त को पूरा करने की महत्ता को समझे अपने आप को मज़बूत बनाये। क्या कांग्रेस का नेतृत्व इस महत्ता को समझ रहा है?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

धर्म — प्रेममयी लहरें

संत राजिन्दर

लोग ऐसा प्रेम नहीं चाहते जो क्षणभंगुर हो। वे एक सरसरी नज़र या अल्पकालीन मिलन नहीं चाहते। वे एक शाश्वत दृष्टि, एक शात मिलन चाहते हैं - अपने प्रियतम के साथ एकमेक होने की शाश्वत अवस्था में रहना चाहते हैं। इस भौतिक संसार के सबसे उत्तम व करीबी रिश्ते भी अंततः खत्म हो जाते हैं, क्योंकि इस संसार का नियम ही ऐसा है। हमारे भौतिक स्वरूप का अंत होना सुनिश्चित है। जब हम जीवन की अनिश्चितता के बारे में जानते हैं, तो हम एक ऐसा प्रेम चाहते हैं जो अनवर हो। उसे हम प्रभु रूपी शाश्वत प्रेम के महासागर में तैरकर पा सकते हैं। प्रभु का प्रेम नर नहीं होता। जब हम प्रभु से प्रेम करने लगते हैं, तो हम एक ऐसे प्रियतम से प्रेम करने लगते हैं जो मृत्यु के द्वार के परे भी हमारे साथ रहता है। जब हम प्रभु के निर्मल, पवित्र महासागर में तैरते हैं, तो हम अपने सच्चे स्वरूप का, अपनी आत्मा का, प्रतिबिंब देख पाते हैं। वहां उसको दूषित करने वाली कोई मैल या गंदगी नहीं होती। बिना किसी ऐसी वस्तु के जो हमारे ध्यान को भंग करे, हम महासागर की गहराई में झांक पाते हैं। उसकी प्रेममयी लहरें हमसे टकराती रहती हैं। यहां हमारी शांति को भंग करने वाला कोई भौतिक आकर्षण नहीं होता। क्षणिक सांसारिक सुखों के बजाय हम प्रभु के शात प्रेम का अनुभव करने लगते हैं। जब हम प्रभु के महासागर में तैरते हैं, तो हम दिव्य आनंद का अनुभव करते हैं। हमारे अंतर में दिव्य जल का आनंदकारी सरोवर सदैव विद्यमान रहता है। हम किसी भी समय इसमें डुबकी लगा सकते हैं। जब हम इस सरोवर में जाते हैं, तो हम समस्त चिंताओं से मुक्त हो जाते हैं। हम पूर्णतया तनावरहित हो जाते हैं। हमारे मन व आत्मा में परमानंद समा जाता है। जब हमारी आत्मा इसमें इस आंतरिक 'स्पा' में स्नान करती है, तो वो शांति से भरपूर हो जाती है। जब हमारी आत्मांत होती है, तो हमारा मन और शरीर भी स्वाभाविक रूप सेांत हो जाते हैं। जब हम प्रभु के साथ तैरते हैं, हम में दुनियावी भोगों की कोई चाह नहीं रहती, क्योंकि प्रभु का प्रेम हमें संतुष्ट कर देता है। जब हम प्रभु के साथ तैरते हैं, तो जो आजाद हमारी आत्मा में रम जाता है, वह किसी भी दुनियावी संतुष्टि से हजारों गुणा अधिक होता है।

इस समस्या के संदर्भ में कांग्रेस पार्टी की दुविधा-या संकट-और भी है। दुविधा यह कि कांग्रेस को अक्सर यही लगता रहा है कि नेहरू-गांधी परिवार उसको जोड़े रखने वाली ताकत है और संकट यह है कि सीमेंट की भूमिका निभाने के बावजूद एक बहुत लंबे अरसे से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का चेहरा जनता में वह विश्वास नहीं जगा पा रहा जिसकी अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से होती है। अब स्थिति यह है कि नेहरू-गांधी परिवार नेतृत्व संभालने के प्रति अपनी अनिच्छा जता रहा है और कांग्रेस वालों को यह समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी नहीं तो फिर और कौन?

विचार मंथन

भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों का ब्रह्मास्त्र बना मानहानि कानून ?

लेखक- सनत कुमार जैन

पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों के लिए मानहानि कानून, ब्रह्मास्त्र की तरह उन्हें सुरक्षित बना रहा है। विशेष रूप से राजनेताओं को मानहानि कानून का जो कवच मिला है। उससे वह पूरी तरह सुरक्षित हो गए हैं। मानहानि के प्रकरण दायर कर अथवा मानहानि का नोटिस भेजकर अपने खिलाफ उठ रही आवाजों को बंद कराने मैं मानहानि कानून बड़ा सहायक हो गया है। जिस राजनीतिक दल और संगठन के देशभर में कार्यकर्ता और समर्थक हैं। उनके लिए तो यह कानून अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शस्त्र बन गया है। करोड़ों रुपए का मानहानि का प्रकरण दायर कर दो। न्यायालय में इसके लिए कोई फीस नहीं लगती है। न्यायालय में जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज होता है। उसे उपस्थित होकर सबसे पहले जमानत करानी पड़ती है। उसके बाद हर पेशी में उपस्थित रहना, उसकी बाध्यता होती है। हर माह पेशियां पड़ती हैं। राजनेताओं, अभिनेताओं, बड़े बड़े अधिकारी के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ बोलना, अब सबसे बड़ा अपराध हो गया है। हर कोई अपनी सफाई देने के स्थान पर मानहानि का नोटिस भेजकर अपने आरोपों को दबाने का काम करता है। उल्टे उसे धमकाना शुरू कर देता है। न्यायालय से जमानत पर आरोपी को अपराधी और मुलजिमो की तरह पेश किया जाता है। पिछले वर्षों में एक ही आरोप पर देश के कई राज्यों की कई न्यायालयों में मानहानि का मुकदमा दर्ज हो जाता है। जिस व्यक्ति के खिलाफ मानहानि का मुकदमा होता है। न्यायालय में जो पेशी पड़ती है, उसमें उपस्थित हो पाना उसके लिए संभव ही नहीं होता है। जिसके कारण गिरफ्तारी वारंट निकलते हैं। अपनी बात बोलने की इतनी बड़ी सजा आरोप लगाने वालों को मिल जाती है। जिससे वह मामले का फैसला आने का इंतजार भी नहीं कर पाते हैं। प्रताड़ित होकर माफी मांगने के लिए विवश हो जाते हैं। सत्तारूढ़ दल के राजनेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ तथ्यों के होते हुए भी इस कानून के कारण अब आम आदमी बोलने से डरने लगा है। जिसके कारण भ्रष्टाचार अथवा रिश्वतखोरी के काम में बिना किसी भय के और भ्रष्टाचार करते हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच में तुम डाल-डाल, हम पात - पात की तर्ज पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना के खिलाफ नोटबंदी के दौरान 1400 करोड़ रुपए बदलने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी के नेता ईडी और सीबीआई से जॉच कराने की मांग कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर शराब घोटाले का आरोप लगाया है। जिसकी सीबीआई जांच कर रही है। हाल ही में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। उन्होंने आरोपों के संबंध में कोई सफाई नहीं दी है। केन्द्र सरकार ने आम आदमी पार्टी की मांग अनसुनी कर दी है। वहीं आम आदमी पार्टी ने सीबीआई से जॉच करने की मांग को लेकर सीबीआई मुख्यालय पर धरना दे दिया। मानहानि का मुकदमा दायर करने के पश्चात जिसके खिलाफ मुकदमा दायर हुआ है। उसे हर पेसी में न्यायालय में उपस्थित होना अनिवार्य होता है। एक भी पेशी में उपस्थित नहीं होने पर उसके खिलाफ वारंट निकल जाता है। एक ही व्यक्ति के खिलाफ एक ही मामले में कई स्थानों पर मानहानि के मुकदमे दायर हो जाते हैं। वकील की नियुक्ति करनी पड़ती है। सैकड़ों और हजारों किलोमीटर की यात्रा करके न्यायालय में उपस्थित होना पड़ता है। कई मामलों में संगठन के कार्यकर्ता मानहानि की पेशी में शामिल होने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं, धमकी देते हैं। ऐसी स्थिति में अब आम आदमी अथवा कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी के खिलाफ अपनी बात कहने से डरता है। कई मामलों में न्यायालयों ने सरकारी कार्यालयों में उपलब्ध रिकॉर्ड को आरोपी को बचाब में पेश करने के लिए अनुमति नहीं दी। जिसके कारण उसे अपनी बात प्रमाणित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मानहानि कानून अब भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरी के लिए सुरक्षा कवच बन के सामने आया है। आरोप प्रमाणित हो भी जाए तो आरोपी के खिलाफ मुकदमा खारिज हो जाता है। आरोपी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती है।

दृष्टिहीनता एक वैश्विक समस्या

अंधेरे जीवन में रोशनी के लिए करें जागरूक

(लेखक- दीपिका अरोड़ा)

विगत कुछ वर्षों से दृष्टिहीनता एक वैश्विक समस्या के रूप में अपनी पैठ बना रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कॉर्निया से संबंधित बीमारियां एवं मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद होने वाली दृष्टि हानि अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक है। अनुमानित 2.2 बिलियन लोग दृष्टिबाधिता की समस्या से ग्रसित हैं, जिनमें से 1 बिलियन अथवा आधे लोगों का उपचार संभव है। 2020 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 31.6 मिलियन लोग दृष्टिहीनता का शिकार हैं। विचारणीय है, देश में मृतक संख्या 90 लाख प्रति वर्ष होने पर भी मात्र 15 हजार दृष्टिबाधितों के लिए ही नेत्रदान संभव हो पाया। प्रत्येक वर्ष 250 लाख आंखों की आवश्यकता पर मात्र 50,000 आंखें ही उपलब्ध होती हैं, जिनमें से दस हजार कॉर्निया ही प्रत्यारोपित हो पाते हैं। मानव जीवन में दृष्टि के महत्व को देखते हुए प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक 'राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा' मनाया जाता है। भारत की केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जहां दृष्टिबाधिता की समस्या, नेत्रदान के लाभ तथा उपयोगिता संबंधी जनजागरूकता फैलाना है, वहीं लोगों को नेत्रदान हेतु प्रेरित व अनुबंधित करना भी है। 1985 से लेकर अब तक भारत में 37 राष्ट्रीय पखवाड़े आयोजित किए जा चुके हैं। प्राकृतिक नेत्रदान पखवाड़े द्वारा आयोजित 'वर्ड-ऑफ-माउथ' सबसे बड़ी तथा उपयोगी तकनीकों में से एक है। 'विश्व दृष्टि दिवस, 2022' के अंतर्गत इस बार का नामित थीम है, 'लव योर आइज'। किसी भी आयु, लिंग, रक्त समूह का व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है बशर्ते वह एड्स, हेपेटाइटिस बी अथवा सी, रेबीज, टिटनेस जैसे प्रणालीगत संक्रमण से पीड़ित न हो। कम दृष्टि, दूर दृष्टि, मोतियाबिंद, अस्थमा, मधुमेह, उच्च रक्त चाप आदि रोग नेत्रदान में हरगिज बाधा नहीं। नेत्रदान पंजीकरण हेतु ऑनलाइन व ऑफलाइन शपथपत्र भरना आवश्यक है। पंजीकृत होने के पश्चात नेत्रदाता कार्ड उपलब्ध करवाया जाता है। नेत्रदाता के देहावसान के पश्चात परिजनों का दायित्व बनता है कि शीघ्रातिशीघ्र नजदीकी नेत्र बैंक से संपर्क हेतु 1919 डायल करें। चार से छह घंटे की अवधि के बीच कॉर्निया को निकाल लेना बेहतर है। संबंधित टीम स्वयं निर्दिष्ट स्थान पर पहुंचकर, दो गवाहों की उपस्थिति में परिजनों की लिखित स्वीकृति से कॉर्निया निकाल लेगी। दस-पंद्रह मिनट की इस प्रक्रिया में चेहरे की बनावट सामान्य बनाए रखने हेतु, नेत्रगोलक के स्थान पर ट्रांसपेरेंट आई कैप लगा दी जाती है। प्रथम सफल कॉर्निया प्रत्यारोपण वर्ष 1905 में किया गया तथा पहले नेत्र बैंक की स्थापना 1944 में हुई। एलईआईटीआर विश्व का सबसे बड़ा बैंक है, जहां से प्रतिवर्ष लगभग 7,000 मानव आंखें प्राप्त होती हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र में स्थित, भारत का 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान राष्ट्रीय नेत्र बैंक' विगत 50 वर्षों से अधिक समय से नेत्रदान हेतु सेवारत है। इस दिशा में संयुक्त राज्य अमेरिका का योगदान अग्रगण्य है। 51 देशों को कॉर्निया दान करके, श्रीलंका वैश्विक स्तर पर प्रेरणास्रोत बना। भारत में तमिलनाडु प्रांत नेत्रदान के मामले में अग्रिम सूची में आता है। 1948 में समाज के समक्ष उदाहरण स्थापित करने वाले डॉ. आर.ई.एस. मुथैया भारत के प्रथम नेत्रदाता बने। आज सरकारी संस्थाओं सहित कुछ समाजसेवी संस्थाएं भी नेत्रदान जागृति हेतु सराहनीय कार्य कर रही हैं। पंजाब में सामाजिक चेतना लहर से जुड़ी संस्था 'तर्कशील सोसायटी पंजाब', महाराष्ट्र में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' जैसी अनेक संस्थाएं इस दिशा में प्रयत्नशील हैं। नेत्रदान, हालांकि मृत्योपरान्त किया जाने वाला दान है किंतु जन-जागरूकता के अभाव, संस्थानों व अस्पतालों में अपर्याप्त सुविधाओं, प्रशिक्षित कर्मियों में प्रेरक क्षमता के प्रति उदासीनता तथा प्रचलित सामाजिक व धार्मिक मिथकों के कारण विशाल राष्ट्र होने के बावजूद यह अभियान भारत में यथेष्ट सफलता अर्जित नहीं कर पाया। यद्यपि राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े की उद्देश्यपूर्ति हेतु कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी केंद्र सरकार के साथ हाथ मिलाए हैं तथापि विगत 40-50 वर्षों से कॉर्नियल प्रतिरोपण द्वारा नेत्रदान संभव होने पर भी इस मामले में हम कहीं पीछे हैं। समाज में अंगदान से जुड़े मिथकों व भ्रांतियों का निराकरण किए बिना अभियान का सफल होना असंभव है। इसके लिए सरकारों को नेत्रदान प्रोत्साहन हेतु नवीन नीतियों सहित आगे आना होगा। एक पहल, जिसके माध्यम से दो अंधियारे जीवन उज्ज्वल हो पाएं, नश्वर देह के लिए इससे बड़ा पुण्य क्या होगा? वैसे भी विकराल समस्या के तौर पर नेत्रदान स्वतः ही मौलिक कर्तव्य की श्रेणी में आ जाता है, तो क्यों न आज और अभी से इस महादान अभियान को एक प्रेरक आयाम देने हेतु संकल्पबद्ध हों?

टिकाऊ खेती में
खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है।

आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड बग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया नीचे आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 26 पैसे फिसलकर 79.82 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं रुपया 79.63 पर खुला और दिन में कारोबार के दौरान 79.61 और 79.83 के के दायरे में रहने के बाद अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे नीचे आकर 79.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये का पिछला बंद भाव 79.56 प्रति डॉलर था। वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ ही 109.32 पर पहुंच गया।

जीएमआर समूह फिलीपीन के सेबू हवाईअड्डे में अपनी हिस्सेदारी का विनिवेश करेगा

मुंबई । जीएमआर समूह ने कहा कि वह सेबू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में अपनी पूरी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,330 करोड़ रुपये के अग्रिम भुगतान के साथ-साथ चार साल से अधिक की अवधि में प्राप्त होने वाली कमाई के लिए बेचेगा। हवाईअड्डे का परिचालन जीएमआर-मेगावाइड सेबू एयरपोर्ट कॉरपोरेशन (जीएमसीएसी) करती है और इस उपक्रम में जीएमआर एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल बीवी (जीएआईबीवी) की हिस्सेदारी 40 फीसदी है। सेबू एयरपोर्ट में हिस्सेदारी के विनिवेश के लिए जीएमआर एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल बीवी (जीएआईबीवी) और एबोईटिज इंफ्राकैपिटल इंक (एआईसी) के बीच एक समझौता हुआ था। शेयर बाजारों को बताया गया, सौदा 70.5 अरब रुपये के उद्यम मूल्य में होगा और जीएआईबीवी को 13.3 अरब रुपये की अग्रिम राशि प्राप्त होगी। जीएमआर समूह के कारोबारी अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे) श्रीनिवास बोममिडाला ने कहा कि हिस्सेदारी की बिक्री का निर्णय जीएमआर एयरपोर्ट्स की पूंजी को पुनर्नियोजित करने पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति के अनुरूप है।

बीएसईएस ने बिजली चोरी रोकने के लिए 'बिजले के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने हरित और डिजिटल भविष्य की खातिर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधान के लिए 'बिजले नाम की कंपनी के साथ समझौता किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। इस समझौते के तहत बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) और 'बिजले' विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए एआई आधारित समाधान के विकास एवं क्रियान्वयन के लिए सहयोग करेंगी। बीएसईएस ने बताया कि इससे तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे में कमी आएगी, बिजली चोरी का पता लगाया जा सकेगा, बिजली भार का पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा, मौसम और नेटवर्क से संबंधित जानकारी मिल सकेगी। बयान में कहा गया कि शुरुआती तौर पर इन समाधान को दक्षिण और पश्चिम दिल्ली के चयनित बीआरपीएल क्षेत्रों में लागू किया जाएगा। नतीजों के आधार पर कार्यक्रम को पूर्वी और मध्य दिल्ली में भी लागू किया जा सकेगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को 37 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 36.74 अंक करीब 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ ही 58,803.33 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.35 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी नीचे आकर 17,539.45 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज शेयरों में शामिल आईटीसी, एचडीएफसी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रूप से उछले हैं। वहीं दूसरी ओर मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले और टाटा स्टील के शेयर गिरे हैं। वहीं गत कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ पर बंद हुआ था। आज कोरोबार के दौरान एचडीएफसी , आईटीसी, अडानी पोर्टस, एलएंडटी और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़े हैं जबकि बीपीसीएल , श्री सीमेंट, हीरो मोटो कार्प, हिंडाल्को और ओएनजीसे निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा नीचे आये। वहीं अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर रहे।

चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़ा है। वहीं यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में उछाल आया है। गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.01 फिसदी बढ़कर 94.22 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 47 रुपये ऊपर आकर 50,729 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,682 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की ही तरह चांदी भी 496 रुपये ऊपर आकर 53,429 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 52,933 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,702 डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी 17.96 डॉलर प्रति औंस पर बनी थी।

सरकार ने खाद्य तेल आयात पर रियायती सीमा शुल्क अगले साल मार्च तक 6 महीने के लिए बढ़ाया

बिजनेस डेस्क :

आयातित खाद्य तेलों को बुनियादी कस्टम ड्यूटी और कृषि इन्फ्रा और डेवलपमेंट सेस से मिली छूट को अगले 6 महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। अब इन खाद्य तेलों के आयात पर मार्च 2023 तक यह छूट लागू रहेगी। सरकार ने अक्े टूबर 2021 को पहली बार आयातित क्रूड सोयाबीन ऑयल, क्रूड पॉम ऑयल और क्रूड सनफ्लावर ऑयल पर मार्च 2022 तक कस्टम ड्यूटी और कृषि इन्फ्रा और डेवलपमेंट सेस में छूट देने की घोषणा की थी। मार्च में इस छूट को सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया था। गौरतलब है कि सरकार ने फरवरी में आयातित मसूर पर भी कृषि और बुनियादी ढांचा विकास सेस में दी जा रही छूट को सितंबर 2022 तक बढ़ाया था और फिर इसे जुलाई में मार्च 2023 तक बढ़ाने का फैसला लिया था। सरकार खाद्य तेलों के आयात पर कस्टम ड्यूटी और सेस अगले 6 महीने और न लगाने के फैसले से घरेलू बाजार में तेलों की कीमतों को काबू में रखने में मदद मिलेगी। लाइव मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यही नहीं सोयाबीन तेल, सूरजमुखी तेल और पॉम ऑयल पर अक्टूबर 2021 से कस्े टम ड्यूटी पर लागू छूट को भी मार्च 2023 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह कच्चे पाम ऑयल और मसूर के आयात पर भी 5 फीसदी सीमा शुल्क छूट मार्च 2023 तक जारी रहेगी। क्रूड की श्रेणी में आने वाले खाद्य तेलों पर अब कस्टम ड्यूटी शून्य हैं तो रिफाइंड कैटेगरी में आने वाले खाद्य तेलो पर 17.5 फीसदी कस्टम ड्यूटी लागू है।

एसबीआई ने 2022-23 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया

- वृद्धि दर के उम्मीद से कम रहने का कारण विनिर्माण क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन

मुंबई ।

देश के प्रमुख बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7.5 प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसका कारण पहली तिमाही में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) आंकड़ा अनुमान के मुकाबले नीचे रहना है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही। वृद्धि दर के उम्मीद से कम रहने का कारण विनिर्माण क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन है। इस क्षेत्र में पहली तिमाही में केवल 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, सर्विस सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन से वृद्धि को समर्थन मिला। विशेषज्ञों ने पहली तिमाही में 15 से 16.7 प्रतिशत वृद्धि दर रहने की संभावना जताई थी। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक ने सबसे अधिक 16.7 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान रखा था। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 15.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद व्यक्त की थी। घोष ने एक रिपोर्ट में कहा कि 13.5 प्रतिशत पर वृद्धि दर के साथ वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में तिमाही आधार पर 9.6 प्रतिशत की कमी आई है लेकिन वास्तविक जीडीपी ग्रोथ सर्किल आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत देती है। इसके तहत पहली तिमाही में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में यह 4.1 प्रतिशत और 2021-22 की चौथी तिमाही में 1.9 प्रतिशत थी। घोष ने कहा कि उन्हें चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा` कि इसके आधार पर हम अब 2022-23 के लिए सालाना जीडीपी वृद्धि अनुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत कर रहे हैं। यह सांख्यिकी समायोजन है। हालांकि उन्होंने कहा कि दूसरी छमाही में वृद्धि गति में तेजी आने की उम्मीद है। घोष ने पूर्व में पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 15.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। उन्होंने कहा कि सबसे निराश करने वाली बात मौजूदा मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर 26.7 प्रतिशत रहना है जो 2021-22 की पहली तिमाही में 32.4 प्रतिशत तथा 2021-22 की चौथी तिमाही में 14.9 प्रतिशत थी। वास्तविक संदर्भ में निजी अंतिम खपत व्यय में सुधार हुआ और यह 10 प्रतिशत रहा जो महामारी-पूर्व स्तर से अधिक है।

देश के सबसे रईस कारोबारी गौतम अडानी की अडानी एंटरप्राइजेज निफ्टी 50 में शामिल होगी

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे धनाढ्य कारोबारी गौतम अडानी नित नए आयाम तय कर रहे है। अब उनके खाते में एक और जबरदस्त कामयाबी दर्ज हो गई है। अडानी की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज जल्द ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 में शामिल हो जाएगी। अदानी इंटरप्राइजेज 30 सितंबर से श्री सीमेंट की जगह बेंचमार्क इंडेक्स में शामिल होगी। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के बाद निफ्टी इंडेक्स में शामिल होने वाला यह दूसरा स्टॉक होगा। अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के निफ्टी में शामिल होने से उसके स्टॉक में 183 मिलियन डॉलर की आमद होने की उम्मीद है। बता दें कि देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी ने नेक्स्ट50 में भी बदलाव का फैसला किया है। इसे 'जूनियर निफ्टी' कहा जाता है। इसमें अडानी टोटल गैस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, आईआरसीटीसी, एम्फैसिस, मदरसन इंटरनेशनल और श्री सीमेंट्स शामिल हैं। अडानी एंटरप्राइजेज, जुबिलेंट फूडवर्क्स, ल्यूपिन, माइंडट्री, पीएनबी, सेल और जायडस लाइफसाइंसेज जूनियर निफ्टी इंडेक्स छोड़ देंगे।

कंपनी का मूल्य अब 3.68 लाख करोड़ रुपये है। 2022 में कंपनी के शेयरों में 88 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। अदानी समूह की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइसेस बाजार में 17वीं सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर यह एशियन पेंट्स, एवेन्यू सुपरमार्ट्स, बजाज फिनसर्व और मारुति सुजुकी से कहीं अधिक बड़ी है। 25 साल में गौतम अडानी की कुल संपत्ति 13 गुना बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उनकी संपत्ति कई कंपनियों के मुकाबले कहीं अधिक है। केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस का एमकैप उनकी निजी संपत्ति से ज्यादा है। गौतम अडानी, अडानी एंटरप्राइजेज के अलावा अडानी ग्रुप की 7 अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के मालिक हैं, जिनमें अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी ट्रांसमिशन और अडानी विल्मर शामिल हैं। बता दें कि हाल ही में अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने हाल ही में लुइस वुइटन के अध्यक्ष और सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट को पछाड़कर ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के शीर्ष 3 में अपनी जगह बनाई। इस सूची में शामिल होने वाले पहले एशियाई कारोबारी बन गए। उनकी कुल संपत्ति 137.4 अरब डॉलर आंकी गई है।

एफएमसीजी बाजार में 6 फीसदी की तेजी रही

नई दिल्ली । एफएमसीजी बाजार में तेजी पर्सनल केयर, होम केयर और डिब्बा बंद खाने की मांग में इजाफा देखा जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई की तुलना में अगस्त महीने में एफएमसीजी बाजार में 6 फीसदी की तेजी आई है। पर्सनल केयर, होम केयर और डिब्बा बंद सामान खूब बिक रहे हैं। इसको देखते हुए अब एफएमसीजी कंपनियां भी इन सामानों की अलग-अलग वैरायटी बाजार में उतार रही हैं। कंपनियों को आने वाले समय में इन सामानों की बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है। अब कोरोना के केस कम होने के बाद जब ऑफिस खुले तो रोजमर्रा के सामानों की बिक्री भी बढ़ गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स यानी एफएमसीजी बाजार में ये तेजी पिछले तीन महीनों से देखी जा रही है। इसमें कमोडिटी और पर्सनल केयर के प्रोडक्ट में सबसे ज्यादा तेजी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर पिछले साल की तुलना में 2022 के आंकड़े देखें तो इसमें 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे कंपनियां उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई बढ़ने का भी असर एफएमसीजी बाजार पर पड़ा था। इस साल अप्रैल में रूस-यूक्रेन वार की वजह से कंपनियों ने अपने प्रोडक्ट के दाम बढ़ा दिए थे। इस दौरान महंगाई ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए थे। महंगाई की वजह से भी बिक्री में गिरावट आई थी। अब दोबारा महंगाई कंट्रोल में आने से प्रोडक्ट की मांग बढ़ने लगी है।

विदेशी बाजार में भारतीय सेवा क्षेत्र की मांग बढ़ी, जुलाई में निर्यात में 20 फीसदी इजाफा

- जुलाई में सेवा क्षेत्र का कुल निर्यात 23.26 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव के बावजूद विदेशी बाजार में भारतीय सेवाओं की मांग बढ़ रही है। जुलाई में भारत का सेवा क्षेत्र का निर्यात पिछले साल की समान अवधि से 20 फीसदी ज्यादा रहा। रिजर्व बैंक ने आंकड़े जारी कर बताया कि जुलाई में सेवा क्षेत्र का कुल निर्यात 23.26 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह एक साल पहले की जुलाई के मुकाबले करीब 20 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, जून में सेवा क्षेत्र का निर्यात जुलाई के मुकाबले अधिक था। तब भारत का कुल सेवा निर्यात 25.29 अरब डॉलर का रहा था। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की हिस्े सेदारी करीब 40 फीसदी आती है। आरबीआई ने बताया कि जुलाई के दौरान सेवाओं का सिर्फ निर्यात ही नहीं बढ़ा है, बल्कि आयात में भी तेजी आई है। इस दौरान भारत का सेवा क्षेत्र का आयात 13.92 अरब डॉलर का रहा, जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 23 फीसदी है। हालांकि, जून में सेवा क्षेत्र का आयात इससे भी ज्यादा था । तब भारत ने कुल 15.76 अरब डॉलर का सेवा आयात किया था। ऐसे में देखा जाए तो जुलाई में आयात में कमी आई है, जिससे सेवा क्षेत्र का व्यापार घाटा नीचे आया। चालू वित्तवर्ष में जुलाई तक हुए कुल निर्यात की बात करें तो इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 80 फीसदी से ज्यादा की बढ़त बनाई है। अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत का कुल सेवा निर्यात 94.75 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल जुलाई में 58.94 अरब डॉलर रहा था।

इस तरह देखा जाए तो एक साल के भीतर सेवा क्षेत्र के निर्यात में 80 फीसदी से ज्यादा का उछाल दिख रहा है। आईटी क्षेत्र में भारतीय सेवाओं की विदेश में खासी मांग है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि ये आंकड़े अभी प्रारंभिक अवस्था के हैं और कई भुगतान लंबित हैं, जिनके बाद सही आंकड़ों का पता चलेगा।

अगस्त में कार कंपनियों की गाड़ियों की बिक्री के आंकड़े बेहतर रहे

नई दिल्ली ।

टाटा, मारुति और महिंद्रा कंपनियों के अगस्त महीने में बिक्री के आंकड़े बेहतर रहे। मारुति सुजुकी ने अगस्त में 1,34,166 यूनिट्स वाहनों को शोरुम भेजा। यह डेटा मारुति सुजुकी के अगस्त, 2021 के आंकड़े से 30 फीसदी ज्यादा है। मारुति की कुल पैसेंजर व्हीकल की बिक्री में सालाना आधार पर 26 फीसदी का उछाल देखने को मिला। वहीं हुंडई मोटर्स ने इस साल अगस्त में 49,510 वाहन डिस्पैच किए. यह पिछले साल के अगस्त महीने के मुकाबले छह फीसदी ज्यादा है। पिछले कुछ महीनों में टाटा मोटर्स के वाहनों की सेल में जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिला है। कंपनी ने अगस्त में 47,166 वाहन डिस्पैच किए। यह अगस्त, 2021 के मुकाबले 68 फीसदी ग्रोथ को दिखाता है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 29,852 वाहन डिस्पैच किए। यह पिछले साल के अगस्त महीने 15,973 यूनिट्स के आंकड़े से 87 फीसदी ज्यादा है। किया मोटर्स ने इस साल अगस्त में 22,322 वाहन डिस्पैच किए। यह पिछले साल 16,783 यूनिट्स की तुलना में 33 फीसदी अधिक हैं। इसके अलावा टोयोटा ने 14,959 वाहन डिस्पैच किए। यह पिछले साल के मुकाबले 17 फीसदी ज्यादा है.अगस्त, 2022 की मजबूत बिक्री रिपोर्ट की वजह से कंपनियां इस बात को लेकर आशान्वित नजर आ रही हैं कि इस साल का उनका त्योहारी सीजन शानदार रहने वाला है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियां कर रही भारतीय बाजार में एंट्री

-जल्द लॉन्च होगी इलेक्ट्रिक एसयूवी

नई दिल्ली ।

कई नई इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियां भारतीय बाजार में एंट्री कर रही हैं।चीन की कार कंपनी बीवाईडी भी अब इस फेहरिस्त में शामिल होने वाली है.आपको बता दें कि बीवाईडी में दिग्गज इन्वेस्टर वारेन बफेट ने भी पैसा लगाया हुआ है।चीन की इस कंपनी ने हाल ही में एलन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ा है।

जनवरी-जून 2022 के दौरान टेस्ला ने जहां 5.6 लाख ईवी की बिक्री की थी, वहीं बीवाईडी की बिक्री का आंकड़ा 6.4 लाख रहा था।इस कंपनी की योजना भारत में एक प्लांट लगाने की भी है।कंपनी अभी चेन्नई के पास श्रीपेरुम्बुदुर में स्थित असेंबलिंग प्लांट में अपनी कारें असेंबल करेगी।बाद में वह मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने की संभावनाओं पर गौर करेगी।इसके अलावा कंपनी आगामी फेस्टिव सीजन में भारतीय बाजार में एक इलेक्ट्रिक एसयूवी भी लॉन्च करने की तैयारी में है.कंपनी अगले साल के दिल्ली ऑटो एक्सपो में भारतीय बाजार के लिए तैयार कई कारें प्रदर्शित करेगी।बीवाईडी भारतीय बाजार को लेकर काफी गंभीर है और ऑटो एक्सपो में उसकी तैयारी देखने को मिल सकती है।कंपनी अभी स्थानीय स्तर पर कारें सिर्फ असेंबल करेगी, लेकिन आने वाले समय में वह यहीं मैन्यूफैक्चरिंग भी करने वाली है।कंपनी की योजना है कि अगले दो साल में वह स्थानीय स्तर पर 10 हजार असेंबल्ड कारों की बिक्री करे और इसके साथ ही भारत में ही मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाए.कंपनी ऑटो एक्सपो में हैचबैक, सेडान और एसयूवी समेत कई प्रोडक्ट प्रदर्शित करने की तैयारी में है।इसके साथ ही 450-500 किलोमीटर से ज्यादा रेंज देने के लिए फेमस ब्लेड बैटरी टेक्नोलॉजी को भी प्रदर्शित किया जा सकता है।

बीवाईडी की अटो3 इलेक्ट्रिक एसयूवी भारतीय बाजार में पहली कार होगी, जो आगामी फेस्टिव सीजन के दौरान लॉन्च होगी।तेजी से बढ़ते भारतीय ईवी बाजार में बीवाईडी की इस कार की टक्कर हुंडई कोना और एमजी मोटर की जेडएस ईवी से होगी।इसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये हो सकती है।यह कार एक बार चार्ज करने पर 450-500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज देने वाली होगी। बाजार में इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी बीवाईडी जल्दी ही एंट्री कर सकती है।मालूम हो कि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है।

रूस के सस्ते कच्चे तेल का आयात घटा

नई दिल्ली ।

भारत जून और जुलाई में रूस से जितना कच्चा तेल मंगा रहा था, पिछले दो महीने में उसकी मात्रा एक चौथाई घट गई है। पिछले दो महीने में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में कमजोरी दर्ज की गई है। एनर्जी कार्गो ट्रैक करने वाली कंपनी वोर्टेक्सा के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना 7.38 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया है। यह जुलाई की तुलना में 18 फ़ीसदी कम है। अगर जून के कच्चे तेल आयात की बात करें तो यह उसकी तुलना में 24.5 फीसदी कम है।

रूस से कच्चा तेल मंगाने में चीन की स्थिति तकरीबन स्थिर रही है। जुलाई और अगस्त में चीन का रूप से कच्चे तेल का आयात एक निश्चित लेवल पर रहा है। भारत का अगस्त में कच्चे तेल का आयात 13 फीसदी गिरकर 40.49 लाख बैरल रहा है। यह जून की तुलना में 15 फ़ीसदी कम है। रूस का कच्चा तेल भारत के लिए कई मायने में फायदेमंद है। अगर रूस से आने वाले कच्चे तेल के डिस्काउंट की बात करें तो प्रति बैरल 5-6 का डिस्काउंट मिलना भारतीय आयातकों के लिए बहुत बड़ी खबर है। इससे कच्चे तेल के आयात पर पड़ने वाला बोझ कम हो जाता है। यूरोपीय देशों ने रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। भारत में ऑयल रिफायनरी अपने क्रूड खरीदारी में बैलेंस बनाने के लिए कई देशों से अलग-अलग ग्रेड के कच्चे तेल का आयात करती है। इस साल मई के बाद भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस के क्रूड की हिस्सेदारी 20 फ़ीसदी के करीब रही है।

इससे मध्यपूर्व के देशों की कच्चे तेल के कारोबार में हिस्सेदारी कम हुई है। भारत पश्चिमी अफ्रीका और अमेरिका से भी कच्चे तेल का आयात करता है। आने वाले दिनों में भी रुस से कच्चे तेल का आयात बढ़ने की उम्मीद है।

सुपर-4 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी श्रीलंका , कोच सिल्वरवुड की भूमिका पर उठे सवाल

दुबई । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को दो विकेट से हराकर सुपर-4 में प्रवेश किया है। इस प्रकार श्रीलंकाई टीम सुपर-4 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गयी है। इससे पहले अफगानिस्तान और भारत ने सुपर-4 में जगह बनायी थी। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 183 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को श्रीलंका ने 19.2 ओवर में ही आठ विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। श्रीलंका की जीत में कुसल मेंडिस की अहम भूमिका रही। कुशल ने 60 रनों की अच्छी पारी खेली। यह मैच श्रीलंकाई कोच के कारण चर्चाओं में रहा। इस मैच में लंकाई कोच क्रिस सिल्वरवुड ड्रेसिंग रुप से संदेश भेजते रहे जिसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं चमिका करुणारत्ने जीत के बाद अपने नागिन डांस के कारण भी छाये रहे। सिल्वरवुड ड्रेसिंग रूम से लगातार खिलाड़ियों को संदेश भेज रहे थे पर उनकी इस रणनीति से प्रशंसक नाराज हो गये। एक प्रशंसक ने कहा कि अगर कोच ही टीम को चला रहे हैं तो कप्तान की क्या जरुरत है। सिल्वरवुड पहले भी इस रणनीति का इस्तेमाल करते रहे हैं। साल 2020 में इंग्लैंड के अफ्रीका दौरे में भी वह ड्रेसिंग रूम से कप्तान को संदेश भेजते हुए पाए गए थे।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में भीलवाड़ा किंग्स, मणिपाल टाइगर्स की अगुवाई करेंगे हरभजन, इरफान पठान

नई दिल्ली ।

भारत के महान स्पिनर हरभजन सिंह 16 सितंबर से शुरू होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में भीलवाड़ा किंग्स टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि भारत के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान मणिपाल ग्रुप के स्वामित्व वाले मणिपाल टाइगर्स की कप्तानी करेंगे। हरभजन 400 विकेट लेने वाले पहले भारत के आफ स्पिनर हैं और उन्होंने अपने समय के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने 103 टेस्ट, 236 वनडे और 28 टी20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हरभजन ने कहा, 'वर्षों से सभी महान खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैंने खेल की बारीकियों को देखा और जाना है, जिसने मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनाया है। एक क्रिकेटर के रूप में मुझे टीम की कप्तानी करने का मौका नहीं मिला, लेकिन यह कुछ ऐसा होगा, जिससे लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे टीम का नेतृत्व करना पसंद है। मुझे उम्मीद है कि मैं मुझ पर दिखाई गई जिम्मेदारी और विश्वास पर खरा उतरूंगा। पठान ने कहा, 'आप जो कर रहे हैं उसका आनंद लेने की जरूरत है और उस प्रयास में 100 प्रतिशत देना ही मायने रखता है। यह अवसर शानदार है, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम एक टीम के रूप में शानदार प्रदर्शन करेंगे।' 'बड़ौदा एक्सप्रेस' ने कहा कि मसौदे के लिए टीम के नामों पर ध्यान देंगे। गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग को चार टीमों के एलएलसी में अन्य दो फ्रेंचाइजी का कप्तान घोषित किया गया है। इस साल का एलएलसी 16 मैचों का होगा। यह भारत में पहली बार खेला जाएगा और छह शहरों में इसकी मेजबानी की जाएगी। लीग 16 सितंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन में शुरू होगी, इसके बाद लखनऊ, नई दिल्ली, कटक और जोधपुर में होगी। प्लेआफ और फाइनल के लिए जगह अभी तय नहीं हुई है।

भारत के प्रणॉय जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में हारे

ओसाका ।

भारत के एचएस प्रणय जापान ओपन सुपर बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। प्रणय को चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन के हाथों तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-17, 15-21, 22-20 से हराया। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में भारत की सभी उम्मीदें भी समाप्त हो गई हैं। प्रणय ओर चीनी ताइपे के खिलाड़ी के बीच करीब सवा घंटे तक मुकाबला हुआ। वहीं भारत के अन्य खिलाड़ी पहले ही इस चैंपियनशिप से बाहर हो गये थे। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे प्रणय ने इस मैच में जमकर संघर्ष किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए तीसरे और निर्णायक गेम में भी अंत तक अपनी संभावनाएं बनाये रखीं। प्रणय ने इस मैच में पहले गेम से ही दबदबा बनाना शुरु करते हुए एक समय 12-8 की बढ़त हासिल कर ली। चाउ ने हालांकि प्रणय की गलतियों का लाभ उठाते हुए शीघ्र ही 15-14 से बढ़त ले ली। चाउ ने दूसरे गेम में भी 5-4 की मामूली बढ़त से शुरुआत की। प्रणय ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू में गलतियां की जिससे चाउ ने 6-4 की बढ़त हासिल कर दी। इंटरवल तक ताइपे के खिलाड़ी के पास छह अंक की मजबूत बढ़त थी लेकिन प्रणय ने शानदार क्रॉस कोर्ट लगाकर जल्द ही स्कोर 12-13 कर दिया। प्रणय ने फिर से गलतियां की जिससे चाउ ने 17-14 से बढ़त बना दी। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच अंक बचाए लेकिन फिर से उनकी सर्विस सही नहीं रही जिससे चाउ को मैच अंक मिला और इस बार उन्होंने उसे हासिल करने में कोई गलती नहीं की।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा ना होना दुख की बात: हॉकी फारवर्ड नवजोत

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी फॉरवर्ड नवजोत कौर ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टूर्नामेंट की कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा नहीं होने पर निराशा जाहिर की है। 27 वर्षीय खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी तीसरी उपस्थिति से चूक गयीं और इस आयोजन में टीम का अभियान शुरू होने से पहले ही उन्हें घर लौटना पड़ा। फारवर्ड ने कहा, 'जब मैं नॉटिंघम में थी, तब मैं कोरोना संक्रमित पाई गई थीं, जहां हम खेल गांव में जांच करने से पहले प्रशिक्षण ले रहे थे। मुझे कोई बड़ा लक्षण नहीं था और जब तक हम गांव चले गए, तब तक टीम में वापस आने की उम्मीद थी। मैं हर दिन ट्रेनिंग ले रही थीं और दुर्भाग्य से मुझे वापस लौटना पड़ा।' उन्होंने आगे कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो इस तरह से जाना निराशाजनक था। मेरे लिए इसे स्वीकार करना बहुत कठिन था। मैं पहले कभी किसी बड़े टूर्नामेंट से नहीं चूकी, इसलिए मैं अपने कैरियर में पहली बार ऐसी स्थिति से निपट रही थी।' 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद, नवजोत पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीम की सफलता का एक अभिन्न अंग रही हैं। 2012 में अपनी शुरूआत के बाद से, उन्होंने सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और टीम की कुछ सबसे बड़ी जीत में भाग लिया है। हालांकि, नवजोत ने कहा कि यह टीम का समर्थन था जिसने उन्हें इस पूरी प्रक्रिया में मजबूती दी। बेंगलुरु के साई केंद्र में प्रशिक्षण शिविर में लौटने के बाद, नवजोत वापस मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी ओपन : सेरेना, मर्रे जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंचे

नई दिल्ली ।

अमेरिका की महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स और ब्रिटेन के एंडी मर्रे जीत के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंच गये हैं। सेरेना महिला एकल से तीसरे दौर में पहुंच गयी हैं। सेरेना ने दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटेविट को 7-6, 2-6, 6-2 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में लेला फर्नांडीज और मारिया सक्कारी दूसरे दौर में हार के साथ ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। जापान की नाओमी ओसाका और ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू भी पहले ही बाहर हो गयी है। सक्कारी को दूसरे दौर में चीन के वांग शियू ने 3-6, 7-5, 7-5 से हराया जबकि लेला को ल्यूडमिला सैमसोनोवा के हाथों 6-3, 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉफ और मैडिसन कीज जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने एलेना गैब्रिएला रुसे को 6-2, 7-6 से और कीज ने कैमिली जियोर्गी को 6-4, 5-7, 7-6 से हराया। महिला एकल में ओन्स जबूर ने एलिजाबेथ मांडलिक को 7-5, 6-2 से हराया। अब ओन्स का सामना अमेरिका की शेल्बी रोजर्स से होगा। वहीं दूसरी ओर पुरुष एकल वर्ग में ब्रिटेन के एंडी मर्रे ने पहला सेट हारने के बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के एमिलियो नवा को 5-7, 6-3, 6-1, 6-0 से पराजित किया। अब उनका अगला मुकाबला मैटियो बैरेट्टिनी से होगा। वहीं एक अन्य मैच में निक किर्गियोस ने फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी को 7-6 (3), 6-4, 4-6, 6-4 से पराजित किया।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम के लिए विश्व कप में जगह बनाना आसान नहीं होगा : भूटिया

नई दिल्ली ।

पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए पुरुष विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करना आसान नहीं रहेगा। भूटिया ने कहा कि टीम के वर्तमान स्तर को देखते हुए ही उन्होंने यह बात कही है। साथ ही कहा कि इसका मतलब ये न निकाले कि यह असंभव है। वहीं आने वाले समय में भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफाई करने को लेकर इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो भारतीय टीम के वर्तमान स्तर को देखते हुए यह बिलकुल भी आसान नहीं होने वाला है। इसके लिए हमें अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना होगा। इसके साथ ही जमीनी स्तर पर अच्छे खिलाड़ियों को तैयार करना होगा। इसके लिए हमें जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक टूर्नामेंट खेलने के साथ ही अधिक संख्या में कोच तैयार करने होंगे। इसके अलावा बेहतर फुटबॉल ढ़ांचे के लिए राज्य संघों को आर्थिक रुप से सक्षम बनाना होगा। इसके अलावा संन्यास ले चुके पूर्व खिलाड़ियों को कोचिंग से भी जोड़ने की जरूरत है जिससे हमें उनके अनुभव का फायदा मिल सके।' भूटिया ने यह भी कहा कि अगर वह अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो वह संस्थान को सफलतापूर्वक संचालित करने के पूरे प्रयास करेंगे। भूटिया के अलावा पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे भी अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हैं।

डायमंड लीग में स्वर्ण जीतने अभ्यास कर रहे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली ।

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लक्ष्य अब 7 से 8 सितंबर के बीच ज्यूरिख में होने वाले प्रतिष्ठित डायमंड लीग में स्वर्ण जीतना है। विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी नीरज इसके लिए अभ्यास में लगे हुए हैं। इस खिलाड़ी ने डायमंड लीग में स्वर्ण जीतने के साथ ही फाइनल में जगह बनायी थी। इस साल जुलाई महीने में नीरज ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता था पर चोट लगने के कारण वह बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग नहीं ले पाये थे। अब नीरज पूरी तरह फिट होकर अभ्यास में लग गये हैं। उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वह कड़ा अभ्यास करते हुए दिख रहे हैं। उनका ध्यान अभ्यास के साथ ही फिटनेस बनाये रखने पर भी है। नीरज ने अब तक 90 मीटर तक भाला नहीं फेंका है। इस बार उनका लक्ष्य इस आंकड़े को पार करना होगा। ऐसे में वह डायमंड लीग फाइनल में पूरा जोर लगा देंगे। लुसाने में शीर्ष पर रहने के साथ ही नीरज ने दो इवेंट में 15 अंकों के साथ ही फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। नीरज से पहले चक्का फेंक एथलीट विकास गौड़ा ही एकमात्र भारतीय हैं जो डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में रहे थे।

पूर्व गोलकीपर कल्याण एआईएफएफ के नये अध्यक्ष होंगे , भूटिया हारे

हारिस उपाध्यक्ष , अजय कोषाध्यक्ष पद के लिए जीते

नई दिल्ली ।

पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नये अध्यक्ष होंगे। कल्याण ने अध्यक्ष पद की दौड़ में पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया को हराया है। फुटबॉल महासंघ के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई खिलाड़ी अध्यक्ष बना है। आज हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में कल्याण ने 33-1 से जीत दर्ज की। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के इस पूर्व खिलाड़ी की जीत पहले ही तय हो गयी थी। इसका कारण यह था कि पूर्व कप्तान भूटिया को राज्य संघों के प्रतिनिधियों के 34 सदस्यीय निर्वाचक मंडल से अधिक समर्थन नहीं मिला था। यह तक कि दिग्गज खिलाड़ी भूटिया का नामांकन पत्र भरते समय उनके साथ राज्य संघ का कोई भी प्रतिनिधि प्रस्तावक या अनुमोदक के तौर पर नहीं आया था। अध्यक्ष पद पर पहुंचे कल्याण ने अधिकतर क्लब स्तर पर ही खेला है। वह कुछ एक बार ही सीनियर टीम का हिस्सा रहे थे।

उन्होंने हालांकि कम आयु वर्ग के टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भूटिया ने भी कल्याण के साथ एक समय ईस्ट बंगाल टीम में खेला था। वहीं कर्नाटक फुटबॉल संघ के अध्यक्ष एनए हारिस उपाध्यक्ष पद के लिए जीते हैं। उन्होंने राजस्थान फुटबॉल संघ के प्रमुख मानवेंद्र सिंह को 29-5 से हराया। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश के किपा अजय कोषाध्यक्ष पद के लिए विजयी रहे हैं। अजय ने आंध्र प्रदेश के गोपालकृष्णा कोसाराजू को 32-1 से हराया था। गौरतलब है कि कोसाराजू ने अध्यक्ष पद के लिए भूटिया के नाम का प्रस्ताव रखा था जबकि मानवेंद्र ने उसका समर्थन किया था। कार्यकारिणी के 14 सदस्यों के लिए इतने ही उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था और इन सभी का चयन निर्विरोध हुआ है। गया। विश्व फुटबॉल की नई कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। जीपी पालगुना, अविजीत पॉल, पी अनिलकुमार, वलंका नताशा अलेमाओ, मालोजी राजे छत्रपति, मेनला एथेनपा, मोहन लाल, आरिफ अली, के नीबौ सेखोज, लालनघिंग्लोवा हमर, दीपक शर्मा, विजय बाली और सैयद इम्तियाज हुसैन शामिल किये गये हैं।

धवन ने अपनी फिटनेस का राज बताया

मुंबई । अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन बढ़ती उम्र में भी अपनी फिटनेस बनाये रखने में सफल रहे हैं। धवन ने अब अपनी फिटनेस को लेकर अहम खुलासा किया है। धवन ने कहा है कि वह पूरे सप्ताह के लिए योजना बनाते हैं। इस दौड़ के अलावा योग और नेट सत्र भी शामिल है। इसके साथ ही वह अपने आहार का भी ध्यान रखते हैं। धवन ने कहा, 'मेरी प्रतिदिन की योजन में जिम अभ्यास अहम है , इससे मैं अपनी फिटनेस को बरकरार रख पाता हूं। इसके साथ ही सही भोजन करना मेरी पहचान है। मैं अपने भोजन की योजना इस प्रकार बनाता हूं कि उनमें फल, कारबोहाइड्रेट और प्रोटीन का संतुलन बने।' उन्होंने साथ ही कहा, 'मेरे साप्ताहिक फिटनेस रूटीन में जिम के 4 सत्र, दौड़ने के 2-3 सत्र, 2-3 नेट सत्र और अंत में 4-5 योग सत्र भी शामिल हैं। इस प्रकार मैं पूरे एक सप्ताह के लिए अपनी फिटनेस की योजना बनाता हूं।' धवन के पसंदीदा वर्कआउट में डेडलिफ्ट, चेस्ट, बैक और स्ट्रेचिंग व्यायाम शामिल हैं। यहां तक कि जब धवन यात्रा कर रहे होते हैं, तो वह संतुलन बनाने के लिए अपने शरीर को पर्याप्त आराम देना तय करते हैं। वह घर पर रहकर, दोस्तों के साथ मिलने या यात्रा पर जाकर अपने स्ट्रेस को कम करते हैं। धवन ने कहा, 'यह अनुशासन के बारे में है। जब भी मैं यात्रा कर रहा होता हूं, मैं यह तय करता हूं कि मैं अपने शरीर को आराम दूं और फिर फिटनेस और प्रशिक्षण का संतुलन बनाए रखूं। इसके साथ ही निरंतरता भी अहम है। इसके अलावा मांसपेशियों के खिंचाव जैसी चोटों से बचने के लिए मैं पर्याप्त आराम भी करता हूं।

अपनी फिटनेस का ध्यान रखें पंड्या : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की तारीफ की है पर इसके साथ ही कहा कि उन्हें अपनी फिटनेस का भी ध्यान रखना होगा। कपिल ने हा कि हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा जैसे ऑलराउंडर खिलाड़ियों का होना टीम के लिए हमेशा ही लाभदायक होता है। इस महान ऑलराउंडर ने कहा, यहीं से टीम को लाभ मिलता है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के पास हार्दिक और जडेजा जैसे ऑलराउंडर हैं जो अपने ओवर फेंक सकते हैं और अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। कोई भी ऑलराउंडर टीम के लिए अहम होता है। हार्दिक ने हमें अपने खेल से हमें गौरव का अनुभव कराया है पर इसके साथ ही उन्हें अपनी देखभाल भी करनी होगी क्योंकि जब एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी चोटिल होता है तो पूरी टीम पर प्रभाव पड़ता है। उनकी योग्यता पर किसी को भी संदेह नहीं हो सकता है पर मुझे उनकी फिटनेस की चिंता होती है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक चोटिल हो जाते हैं तो यह निश्चित रूप से टीम के पूरे ढांचे को ही धवस्त कर देगा। पंड्या ने पाक के खिलाफ मुकाबले में अच्छी गेंदबाजी ओर बल्लेबाजी की थी।

रवींद्र जडेजा घुटने में चोट के कारण एशिया कप 2022 से हुए बाहर

(एजेंसी)

टीम इंडिया को मौजूदा एशिया कप में तगड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया को मौजूदा एशिया कप में तगड़ा झटका लगा है। प्रमुख ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा दाएं पैर के घुटने में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। अक्षर पटेल, जिनका नाम स्टैंडबाय में शामिल था, वो 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जडेजा की जगह लेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि जेडजा पर बोर्ड के मेडिकल टीम की नजरें लगी हुई हैं। अक्षर पटेल जल्द ही दुबई में भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम को रविवार को अपने सुपर-4 चरण के पहले मुकाबले में पाकिस्तान या हांगकांग से भिड़ना है। रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया को एशिया कप 2022 के शुरुआती दो मैचों में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। जडेजा ने भारत-पाक के ब्लॉकबस्टर मैच में 29 गेंदों में 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। इसके बाद हांगकांग के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर ने सटीक लाइन रखते हुए 4 ओवर में केवल 15 रन दिए थे। इसी दौरान रवींद्र जडेजा एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 23 विकेट लिए हैं।। प्रमुख ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा दाएं पैर के घुटने में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। अक्षर पटेल, जिनका नाम स्टैंडबाय में शामिल था, वो 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जडेजा की जगह लेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि जेडजा पर बोर्ड के मेडिकल टीम की नजरें लगी हुई हैं। अक्षर पटेल जल्द ही दुबई में भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम को रविवार को अपने सुपर-4 चरण के पहले मुकाबले में पाकिस्तान या हांगकांग से भिड़ना है। रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया को एशिया कप 2022 के शुरुआती दो मैचों में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। जडेजा ने भारत-पाक के ब्लॉकबस्टर मैच में 29 गेंदों में 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। इसके बाद हांगकांग के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर ने सटीक लाइन रखते हुए 4 ओवर में केवल 15 रन दिए थे। इसी दौरान रवींद्र जडेजा एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 23 विकेट लिए हैं।

सचिन करेंगे रोड सेफ्टी विश्व सीरीज के दूसरे सत्र में इंडिया लीजेंड्स की कप्तानी

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर रोड सेफ्टी (सड़क सुरक्षा) विश्व सीरीज के दूसरे सत्र की कप्तानी करेंगे। वहीं पहले सत्र में भी सचिन ने इंडिया लीजेंड्स की कप्तानी की थी। सचिन के साथ इस लीग में आक्रामक बल्लेबाज युवराज सिंह, इरफान पठान, यूसुफ पठान, राहुल शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। दूसरे सत्र का आयोजन 10 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 22 दिन तक अलग अलग स्थानों पर होगा। इस टूर्नामेंट का पहला मैच कानपुर में खेला। वहीं दोनों सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले रायपुर में खेले जाएंगे। वहीं इसके अलावा इंदौर और देहरादून में भी मुकाबले होंगे। इस बार इस टूर्नामेंट में इंडिया लीजेंड्स, श्रीलंका लीजेंड्स, ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स, बांग्लादेश लीजेंड्स, वेस्टइंडीज लीजेंड्स, दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स, इंग्लैंड लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स सहित कुल मिलाकर आठ टीमें भाग ले रही हैं। इस लीग का मुख्य लक्ष्य देश और विश्व भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस सीरीज को लेकर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा,'' मुझे पूरा भरोसा है कि रोड सेफ्टी विश्व सीरीज सामाजिक बदलाव में अहम भूमिका निभाने के साथ ही सड़क और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों का रुख बदलने के लिए एक आदर्श मंच साबित होगी।' वहीं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, ''रोड सेफ्टी विश्व सीरीज क्रिकेट के जरिये सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोग यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित होंगे।''

भाजपा सरकार दो दशक से अधिक समय से गुजरात की जनता को सुशासन व विकास के मीठे फल चखा रही है: मुख्यमंत्री

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के विभिन्न वर्गों तथा समाजों की भावना-मांग को समझते हुए उन्हें साथ रख कर कार्यरत् है। गुजरात में सड़क-मार्ग, ऊर्जा, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएँ सर्वव्यापी बनी हैं और अब गुजरात विकास के नूतन सीमाचिह्नों (माइलस्टोन्स) को पार कर आगे बढ़ रहा है। पटेल शुक्रवार को गांधीनगर में आयोजित गुजरात के माली (माळी) समाज के स्नेहमिलन समारोह में संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में माली समाज के अग्रणियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दो-ढाई दशक पूर्व गुजरात की जो स्थिति थी, उसे आज की पीढ़ी ने देखा या अनुभव नहीं किया है। उस समय जनता को सड़क-मार्ग, पानी, बिजली जैसी आधारभूत (बुनियादी) आवश्यकताओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात की कमान संभान संभालने के बाद व्यापक परिवर्तन का आरंभ हुआ। गुजरात विकास के मार्ग पर तीव्र गति से आगे बढ़ने लगा। आज स्थिति यह है कि सरकार ने गुजरात के 98 प्रतिशत घरों में नल से जल पहुँचा दिया है। माँ नर्मदा का नीर ठेठ कच्छ के अंतिम छोर के गाँव तक बह रहा है। पानी को 200 तल जितनी ऊँचाई पार करा कर आदिजाति क्षेत्रों के सुदूरवर्ती घरों में उपलब्ध कराया गया है।

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि वर्तमान में कुछ लोग गुजरात के विकास को नकार रहे हैं, झूठे वादे कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। जिन्हें वादे पूरे करने ही नहीं हैं, ऐसे ग़ैरज़िम्मेदार लोगों के लिए अन्यों को दिवास्वप्न दिखाना अत्यंत ही सरल होता है। उन्होंने कहा कि गुजरात की भाजपा सरकार दो दशकों से

अधिक समय से गुजरात की जनता को सुशासन व विकास के मीठे फल चखा रही है। जनता को जो वचन दिए, उनका पालन करके दिखाया और वादे पूरे करने के दायित्व का यह सरकार भली-भाँति निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृव में राज्य सरकार ने ठोस व दृढ़ निर्णायकता का प्रदर्शन करते हुए गुजरात के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को उचित गति दी है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में सोलर पॉलिसी, सोलर रूफ़टॉप योजना, इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी, कोविड महामारी विरोधी टीकाकरण अभियान आदि विषयों में राज्य सरकार के विशिष्ट कार्यों व उपलब्धियों की विस्तार से सूक्ष्मतापूर्वक जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर माली समाज के नागरिकों द्वारा शिक्षा; विशेषकर कन्या शिक्षा के प्रति जागृति-सक्रियता दिखाए जानेका स्वागत करते हुए कहा कि ज्योतिबा फुले नारी शिक्षा, कन्या शिक्षा के आदि ज्योतिर्धर हैं। ज्योतिबा फुले के जीवन कार्य तथा बोध से प्रेरणा लेकर गुजरात सरकार ने भी कन्या शिक्षा के लिए अनेक सफल प्रयास, योजनाएँ-परियोजनाएँ आरंभ किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र का अनुकरण करते हुए गुजरात की 20 वर्षों की विकास यात्रा तय की है। अब इस मंत्र में 'सबका विश्वास-सबका प्रयास' के जुड़ने से मानो सोने में सुगंध घुल गई है। गुजरात के सभी समाजों के सहयोग व आशीर्वाद के परिणामस्वरूप हमारी इस विकास यात्रा को कोई रोक नहीं पाएगा।

अमरोली सृष्टि विस्तार स्थित मां के दरबार युवा मंडल द्वारा रक्तदान कैंप का आयोजन

संवाददाता भरत चौधरी,
सूरत भूमि, सूरत।

सूरत की भूमि दानवीर की भूमि के रूप देश भर में जाना जाता है गणपति उत्सव में धर्म के साथ सेवा का सद्विचार के शुभ संकल्प के साथ सूरत जिले में कई जगहों पर रक्तदान सहित विभिन्न सेवा परियोजनाएं की जा रही हैं और रक्तदान शिविर भी लगाने का आयोजन हुआ है।

सुप्रसिद्ध सृष्टि विस्तार में स्थित मेलडी मंदिर के भक्त हर पर्व को पवित्र वातावरण में बड़ी धूमधाम से मनाते हैं तो इस बार गणपति पर्व के साथ सेवा का सुगंध फैलाने की दिव्य मिसाल दे रहे है।

रविवार 4, 9, 2022 को दोपहर 4 से 7 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता फैला रहे है।

श्री महेशभाई जोशी सहित कार्यक्रम के आयोजक मा के दरबार युवक मंडल के माध्यम से कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

राज्य सरकार का नलकांठा के 32 'नो सोर्स विलेज' को नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल करने का निर्णय

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नलकांठा क्षेत्र के 32 'नो सोर्स विलेज' यानी स्रोत विहीन गांवों की सिचाई के पानी की समस्या की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव पंकज कुमार की उपस्थिति में जल संसाधन विभाग और नर्मदा निगम के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने नलकांठा क्षेत्र के गांवों के किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए इस समस्या के त्वरित निवारण के लिए राज्य सरकार को समुचित

व्यवस्था करने की अनुशंसा की थी। तदअनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री की इस बैठक और उनकी अनुशंसा के परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नलकांठा क्षेत्र के इन सभी 'नो सोर्स विलेज' गांवों को नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल करने का निर्णय किया है। इस किसान हितैषी निर्णय के कारण अब नलकांठा के सिंचाई से वंचित 11 गांवों के 1700 किसानों की 9415 हेक्टेयर भूमि को भी सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने हाल ही में फतेवाड़ी-खारीकट योजना के सिंचित क्षेत्र के 111 गांवों को नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल करने का निर्णय किया है। इन 111 गांवों में नलकांठा के 21 गांवों का भी समावेश हो गया है।

नलकांठा क्षेत्र के कुल 32 गांवों में से सिंचित क्षेत्र में शामिल होने से बाकी रह गए 11 गांवों को भी अब नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल करने का निर्णय किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित हुई उच्चस्तरीय बैठक में व्यक्त भावनाओं की फलश्रुति के रूप में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अब नलकांठा के सभी 32 'नो सोर्स विलेज' अर्थात स्रोत विहीन गांवों को नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र के किसानों को मिलने वाले पानी के आधार पर ही सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने का निर्णय किया है। केंद्रीय गृह मंत्री और गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद अमित शाह ने धरतीपुत्रों की सिंचाई के पानी की समस्या का सुचारु निवारण किया है, और अब नलकांठा क्षेत्र सहित खारीकट-फतेवाड़ी सिंचित क्षेत्र के गांवों को खेतीबाड़ी और सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने का किसान हितकारी उदार दृष्टिकोण दिखाया है।

गुजरात में तीन महीने के भीतर जाति आधारित जनगणना कराई जाए: कांग्रेस

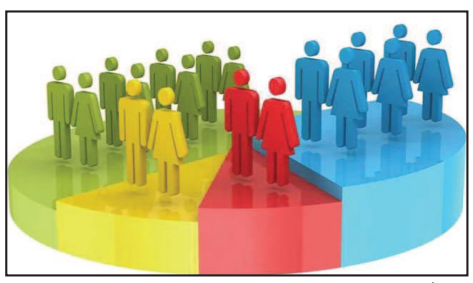

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस ने मांग की है कि 3 महीनों के भीतर राज्य में जाति आधारित जनगणना करवाई जाए। साथ ही 52 प्रतिशत आबादी वाले ओबीसी समाज को स्थानीय निकायों के चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश प्रमुख और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि भूतकाल में कांग्रेस की सरकार ने 27 प्रतिशत सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े ओबीसी समाज को आरक्षण देने की घोषणा की थी। 8 अगस्त 1972 को पिछड़ा आयोग का गठन किया गया था और 27 फरवरी 1976 को अपनी रिपोर्ट सबमिट की गई थी तथा उस रिपोर्ट के आधार पर पहली बार 10 जनवरी 1985 को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण का ऐलान किया गया था। राज्य की कुल आबादी में 52 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग ओबीसी की 146 से अधिक जातियों के लोगों को विकास के लिए आजादी के बाद देश के सभी नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक दर्जा व समानता की गारंटी भरत के संविधान ने दी है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत, तहसील पंचायत और जिला पंचायत समेत स्थानीय निकायों के चुनाव में ओबीसी समाज के प्रतिनिधित्व बरकरार रहे इसके लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। उन्होंने कहा कि ओबीसी लोगों के लिए मंडल आयोग ने 2। प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की है, इसके बावजूद ग्राम पंचायत के चुनाव में 10 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है, जो पर्याप्त नहीं था। राज्य सरकार को चाहिए था कि वह ओबोसी लोगों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण में वृद्धि कर 27 प्रतिशत करने की जरूरत थी। 27 प्रतिशत करना तो दूर अब तो ओबीसी समाज के विकास अवरुद्ध करने के लिए जो 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, उसे खत्म करने का प्रयास सरकार की ओर से किया जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस की मांग है कि राज्य में जाति आधारित जनगणना तत्काल शुरू कर तीन महीने के भीतर इस कार्यवाही को पूर्ण किया जाए और स्थानीय निकाय समेत अन्य आर्थिक समाजिक जगहों पर ओबीसी आरक्षण की समीक्षा कर तुरंत फैसला किया जाए। भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि चुनाव आते ही भाजपा बड़ी बड़ी घोषणा करती है, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद उसका अमल नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जोर शोर से कहते हैं कि मैं पिछड़े वर्ग ओबीसी समाज का हूं और केन्द्र सरकार में गुजरात से ऐसे तीन मंत्री हैं जो ओबीसी समाज से आते हैं। केन्द्र में ओबीसी के मंत्री होना स्वागतयोग्य बात है, लेकिन ओबीसी समाज के साथ गुजरात में पिछले 27 साल से अन्याय हो रहा है, जिसके बढ़ने की संभावना है। ऐसे में उन्हें ओबीसी समाज की न्यायिक हित की बात करनी चाहिए।

पी.पी. सवाणी यूनिवर्सिटी एसीसीए-यूके के एसोसिएशन के सहयोग से बीकॉम (ऑनर्स) एसीसीए-यूके अध्ययन शुरू किया

सूरत। पी.पी. सवाणी यूनिवर्सिटी एसीसीए-यूके के एसोसिएशन के सहयोग से बीकॉम (ऑनर्स) एसीसीए-यूके अध्ययन शुरू किया। जिसके माध्यम से छात्रों को मध्य पूर्व और यूरोपीय देशों में वैश्विक स्तर पर लेखांकन का अभ्यास करने का अवसर मिलेगा।

ACC4 योग्यता, इच्छुक वित्तीय पेशेवरों के लिए दुनिया की अग्रणी एकाउंटेंसी योग्यता है, जो छात्रों को सफल करियर बनाने और संगठनों के साथ काम करने वाले भविष्य का नेतृत्व करने के लिए कौशल, ज्ञान और मूल्य प्रदान करती है। कार्यक्रम को वैश्विक व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने में छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना अंतर्राष्ट्रीय वित्त और लेखांकन में आसान करियर की सुविधा प्रदान करेगी और छात्रों के लिए 6 विषय और विषय बनाने की छूट के साथ acc3 व्यावसायिक योग्यता को पूरा करने की अनुमति देगी।

pTron ने BT कॉलिंग के साथ सिर्फ रु.1499/- में एक स्मार्टवॉच पेश की

(NSE: PALREDTECH) युवाओं के लिए भारत के तेजी से बढ़ते और अग्रणी एक्सेसरीज़ ब्रांड, pTron ने एक पूरी तरह से भरी हुई और स्टाइलिश स्मार्टवॉच पेश की है जो एक स्मार्टवॉच की सभी आवश्यक चीजों को कवर करती है और इसमें ब्लूटूथ कॉलिंग सुविधाएँ और प्राप्त करने के कार्य भी हैं। प्रतियोगियों द्वारा पेश की जाने वाली समान सुविधाओं वाली स्मार्टवॉच की कीमतों की तुलना में ये स्मार्टवॉच बहुत ही आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं।

pTronforce X10 एक अल्ट्रा-स्लिम और लाइट डिज़ाइन और उपयोग में आसान स्वास्थ्य प्रबंधन सुविधाओं के साथ एक पावरपैक स्मार्टवॉच है, जिससे उपयोगकर्ता स्टाइल से समझौता किए बिना अपने स्वास्थ्य पर कड़ी नज़र रख सकते हैं। हल्के और एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किए गए, Force X10 में उच्च चमक के साथ 1.7 "बड़ा HD पूर्ण-स्पर्श रंग डिस्प्ले है जो कुरकुरा ग्राफिक्स प्रदान करता है। चिकना 2.5D घुमावदार गोलाकार डायल एक प्रीमियम मिश्र धातु धातु आवरण पर लगाया गया है। टिकाऊ रूप से निर्मित Force X10 अत्यधिक है पुरुषों, महिलाओं और युवाओं के लिए दिन-रात पहनने के लिए सही और आरामदायक स्मार्टवॉच का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए कठोर परीक्षण किया गया है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, पीट्रॉन के संस्थापक और सीईओ श्री अमीन ख्वाजा ने कहा, "हम ऐसे उत्पादों के लिए युवाओं का पसंदीदा ब्रांड बन गए हैं जो बहुत अच्छे लगते हैं और पैसे के लिए बढ़िया मूल्य प्रदान करते हैं। हमारी बिल्कुल नई फोर्स एक्स 10 स्मार्टवॉच। साथ में, हम बना रहे हैं उल्लेखनीय रूप से किफायती कीमतों पर स्मार्ट वियरेबल्स श्रेणी को जनता के लिए सुलभ बनाने के लिए नवीनतम तकनीक। हमारी फ़ोर्स ङ्ग10 तद्दर्ठ्ठ और वयस्क समान रूप से इस श्रेणी में पहले उपलब्ध नहीं कीमतों पर नवीन तकनीक के साथ प्रतिष्ठित डिज़ाइन की सुंदरता को मिलाते हैं, जिससे व्यक्तियों को स्वास्थ्य, फिटनेस और पूर्ति करने में सक्षम बनाता है। फैशन के लक्ष्य इसे एक आदर्श एक्सेसरी बनाते हैं।"

एसबीआई कार्ड ने लॉन्च किया अपनी तरह का पहला 'कैशबैक एसबीआई कार्ड'

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, एसबीआई कार्ड ने आज अपनी तरह के पहले और भारत के सबसे व्यापक कैशबैक क्रेडिट कार्ड 'कैशबैक एसबीआई कार्ड' के लॉन्च की घोषणा की है। कैशबैक एसबीआई कार्ड उद्योग जगत का पहला ऐसा कार्ड है, जिसे खासतौर पर कैशबैक को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है। इस कार्ड को किसी भी ऑनलाईन खर्च के लिए इस्तेमाल करने पर कार्डधारक 5 फीसदी कैशबैक पा सकेंगे, जिसमें मर्चेन्ट से सम्बन्धित किसी तरह के प्रतिबंध नहीं होंगे। मास से प्रीमियम तक, हर श्रेणी के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया यह कार्ड बेहद सहज, सरल एवं सम्पूर्ण डिजिटल अनुभव प्रदान करता है। देश भर में उपभोक्ता डिजिटल ऐप्लीकेशन प्लेटफॉर्म 'एसबीआई कार्ड एसप्रिन्ट' के माध्यम से घर बैठे बड़ी आसानी से कैशबैक एसबीआई कार्ड पा सकते हैं, फिर चाहे वे देश के दूसरे या तीसरे स्तर के शहरों में रहते हों।

इस कॉन्टैक्टलैस कार्ड के साथ मार्च 2023 तक स्पेशल ऑफर भी पेश किया गया है जिसके तहत उपभोक्ताओं को पहले साल मेंबरशिप बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। कैशबैक एसबीआई कार्ड के उपभोक्ताओं को अपने सभी खर्चों पर अनलिमिटेड 1 फीसदी कैशबैक मिलेगा और हर मासिक स्टेटमेन्ट साइकल में रु 10,000 कैशबैक राशि तक ये कैशबैक फायदा बढ़कर 5 फीसदी तक हो जाएगा सभी ऑनलाइन खर्चों पर। इस कार्ड की खास बात यह है कि इन फायदों का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को कुछ विशेष मर्चेन्ट्स से ही खरीददारी करना ज़रूरी नहीं होगा। कैशबैक एसबीआई कार्ड, कैशबैक ऑटो-क्रेडिट के साथ आता है, जिससे स्टेटमेन्ट जनरेशन के दो दिनों के अंदर एसबीआई कार्ड अकाउन्ट में कैशबैक स्वत: ही क्रेडिट हो जाता है।

लॉन्च के अवसर पर बात करते हुए श्री रामा मोहन राव अमारा, एमडी एवं सीईओ, एसबीआई कार्ड, ने कहा, "कैशबैक एसबीआई कार्ड हमारे कोर कार्ड पोर्टफोलियो को और अधिक सशक्त बनाएगा। इस नए प्रोडक्ट के माध्यम से हम उपभोक्ताओं की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं। अपने अध्ययनों के तहत हमने ऑनलाईन शॉपिंग एवं कैशबैक की तरफ कार्डधारकों के रूझानों को समझने का प्रयास किया। इसी के मद्देनज़र हम कैशबैक एसबीआई कार्ड लेकर आए हैं, जो हर बार, हर स्थान पर हर खरीद के साथ कैशबैक के फायदे देकर उपभोक्ताओं को सही मायनों में सशक्त बनाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)